https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

FIRST INDIA

दैनिक हिंदी अखबार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

महाराणा प्रताप जयंती आज

वर्ष: 5 | अंक: 187 | जयपुर, बुधवार, 17 जून, 2026 | ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष- तृतीया, विसं 2083 | पृष्ठ: 12 | मूल्य: 3.00

जरूरी खबर

टीएमसी विवाद पर दोनों पक्षों को सुनेंगे बिरला

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग हुए सांसदों के समूह को मान्यता देने के मुद्दे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करेंगे। सूत्रों के अनुसार, बिरला निर्णय लेने से पहले टीएमसी नेतृत्व और बागी सांसदों, दोनों पक्षों का पक्ष सुनेंगे। टीएमसी के 20 लोकसभा सांसदों ने अलग होकर 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में विलय की घोषणा की है और ज्योतिप्रकाश चटर्जी को पार्टी अध्यक्ष बनाया है।

■ विस्तृत खबर पेज 7 पर

नाचना से संदिग्ध आईएसआई एजेंट गिरफ्तार

जयपुर/जैसलमेर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने जैसलमेर जिले के नाचना क्षेत्र से एक संदिग्ध आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि नाचना निवासी मुस्ताक अली पिछले करीब दो वर्षों से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के हैंडलर्स के संपर्क में था। जांच में सामने आया कि उसने बॉर्डर मार्ग पर दुकान खोल रखी थी और उसकी आड़ में बीएसएफ तथा सेना की गतिविधियों पर नजर रखता था।

बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगी कफ सिरप

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसके तहत खांसी की सिरप समेत सभी तरह की सिरप अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेगी। अब छोटे गांवों में भी कफ सिरप की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त दवा दुकानों से ही होगी। मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 की अनुसूची 'के' में संशोधन कर 'सिरप' को छूट प्राप्त श्रेणी से बाहर कर दिया है। यह निर्णय कफ सिरप से जुड़े मामलों पर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर लिया गया है।

जी-7 समिट: मोदी और ट्रंप ने हाथ मिलाया, एक-दूसरे का अभिवादन किया और बातचीत की

जी-7 में गर्मजोशी से मिले मोदी-ट्रंप

पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच द्विपक्षीय वार्ता आज... व्यापार, रक्षा और वैश्विक मुद्दों पर करेंगे चर्चा

एजेंसी | एवियॉन (फ्रांस)

फ्रांस के एवियॉन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 16 महीने बाद पहली आमने-सामने मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया, एक-दूसरे का अभिवादन किया और कुछ मिनट तक बातचीत भी की। सम्मेलन के दौरान दोनों नेता साथ बैठे नजर आए। हालांकि इस संक्षिप्त मुलाकात में हुई चर्चा का आधिकारिक ब्योरा सामने नहीं आया है, लेकिन बुधवार को होने वाली औपचारिक द्विपक्षीय बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की पिछली मुलाकात फरवरी 2025 में वॉशिंगटन में हुई थी। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहला प्रत्यक्ष संपर्क है। ऐसे समय में यह मुलाकात हुई है जब भारत-अमेरिका संबंध पिछले कुछ समय से कई मुद्दों को लेकर चर्चा में रहे हैं। व्यापार शुल्क, भारत-पाक तनाव को लेकर ट्रंप के दावे और आव्रजन नीतियों जैसे विषयों ने दोनों देशों के संबंधों में कुछ चुनौतियां पैदा की थीं। बुधवार शाम प्रस्तावित औपचारिक वार्ता में दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते, रक्षा सहयोग, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जी-7 समिट के दौरान आपस में बातचीत करते हुए।

जी-7 समिट: *फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में जी-7 समिट में ग्रुप फोटो में पहली पंक्ति में (बाएं से) इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, मिस्र के प्रेसिडेंट अब्देल फतह अल-सिसी, अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्राजील के प्रेसिडेंट लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा। दूसरी पंक्ति में (बाएं से) यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा, दक्षिण कोरिया के प्रेसिडेंट ली जे म्युंग, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, केन्या के प्रेसिडेंट विलियम रुटो, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन।*

विश्व को समानता आधारित साझेदारी की ओर बढ़ना होगा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र में वैश्विक सहयोग और साझेदारी का नया दृष्टिकोण पेश करते हुए कहा कि दुनिया को अब 'दानदाता और प्राप्तकर्ता' की सोच से आगे बढ़कर एकजुटता, विश्वास और समानता पर आधारित साझेदारी विकसित करनी चाहिए। 'नई साझेदारियां तैयार करने और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को पुनर्स्थापित करने' विषय पर आयोजित सत्र में मोदी ने कहा कि तेजी से परस्पर जुड़ती दुनिया में विश्वास ही सफल वैश्विक

सहयोग की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा 'मानवता प्रथम' के सिद्धांत पर चला है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, मिशन लाइफ और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहलें इसी सोच का प्रतिबिंब हैं। उन्होंने कहा कि भारत का वैश्विक दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना पर आधारित है और देश सतत एवं समावेशी वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सत्र में फ्रांस, इटली, ब्रिटेन, ब्राजील और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। जी-7 सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं भी कर रहे हैं।

फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में जी-7 समिट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों।

सीएम के निर्देश के बाद प्रशासन अलर्ट

ग्रामीण सेवा शिविरों में गैरहाजिर कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

मुख्य सचिव का कड़ा संदेश- 181 शिकायतों के निस्तारण की रोज होगी मॉनिटरिंग

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के बाद ग्रामीण सेवा शिविर-2026 को लेकर प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सभी संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टर्स और शिविर प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शिविरों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उनकी जगह वैकल्पिक कार्मिकों की तैनाती की जाएगी। राज्य सरकार ने तय किया है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में मुख्य शिविर से पहले प्री-कैंप आयोजित किए जाएंगे। इनमें झूलते बिजली तारों की मरम्मत, खराब हैंडपंपों को दुरुस्त करना, पात्र लोगों के आवेदन तैयार करवाना और सरकारी भवनों के लिए भूमि आवंटन जैसे कार्य पहले ही पूरे किए जाएंगे। यदि शिविर के दिन कोई मामला लंबित रह जाता है तो सात दिन बाद फॉलोअप कैंप लगाकर उसका समाधान किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने 181 संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों को ग्राम पंचायतवार चिह्नित कर शिविरों में प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। अतिक्रमण और रास्तों से जुड़े विवादों के समाधान पर भी विशेष जोर रहेगा। संभागीय आयुक्तों को प्रतिदिन औचक निरीक्षण करने तथा जिला कलेक्टर्स को निगरानी टीमें गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण रिपोर्टों का विश्लेषण कर मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा जाएगा। मानसून को देखते हुए बिजली, पेयजल और चिकित्सा सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में समय रहते निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। सरकार का लक्ष्य अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाते हुए ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करना है।

'छात्रों की गूंज' अभियान: राहुल आज कोटा में

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को कोटा में आयोजित 'छात्रों की गूंज' महारैली में शामिल होंगे। नीट पेपर लीक, रद्द परीक्षाओं और अधूरी भर्तियों जैसे मुद्दों को लेकर शुरू किए जा रहे इस अभियान की शुरुआत कोटा से होगी। राहुल गांधी दिल्ली से जन शताब्दी एक्सप्रेस से कोटा पहुंचेंगे और यात्रा के दौरान छात्रों व आम यात्रियों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम दशहरा मैदान स्थित श्रीराम रंगमंच में होगा, जहां वे करीब साढ़े तीन घंटे तक विद्यार्थियों से सीधे बातचीत करेंगे। कांग्रेस के अनुसार यह कार्यक्रम पूरी तरह छात्र-केंद्रित रहेगा और इसमें नेताओं के भाषण नहीं होंगे। आयोजन में करीब 10 हजार छात्रों के शामिल होने का लक्ष्य है।

22 जून तक एप काम नहीं करेगा

नीट री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोक

नकल और फर्जी संदेशों पर शिकंजा

बेधड़क | नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले केंद्र सरकार ने देश में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम नकल माफियाओं, फर्जी प्रश्न पत्र लीक दावों और भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने टेलीग्राम को 30 जून तक भारत में संदेशों में बाद में संशोधन की सुविधा भी बंद रखने का निर्देश दिया है। एनटीए महानिदेशक अभिषेक

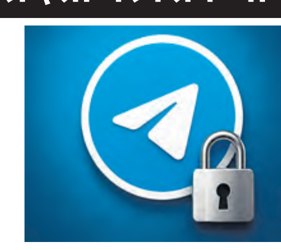

सिंह ने कहा कि 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने के लिए यह कदम आवश्यक था। पिछले कुछ सप्ताह में टेलीग्राम पर कई चैनल और समूह पेपर लीक और अन्य भ्रामक नामों से सक्रिय थे तथा अभ्यर्थियों से प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने के नाम पर धन की मांग कर रहे थे।

सीकर में डेरा डालेंगे संभागीय आयुक्त-आईजी

NEET री-एग्जाम को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। परीक्षा के शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकलमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सीकर जिले को सबसे संवेदनशील क्षेत्र मानते हुए विशेष फोकस किया गया है। उच्च स्तर से संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार और आईजी रेंज राहुल प्रकाश को 20 एवं 21 जून को सीकर में रहने के निर्देश दिए गए हैं। दोनों अधिकारी परीक्षा व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतजामों और कानून-व्यवस्था की स्थिति की लगातार निगरानी करेंगे।

भागवत आज करेंगे राष्ट्र चेतना सभा को संबोधित

बेधड़क | उदयपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत मंगलवार शाम उदयपुर पहुंचे। वे बुधवार को महाराणा प्रताप जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' को संबोधित करेंगे। भूपाल स्टेडियम (गांधी ग्राउंड) में होने वाले इस कार्यक्रम में हजारों स्वयंसेवकों और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं के शामिल होंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। प्रशासन ने आयोजन को लेकर व्यापक सुरक्षा और व्यवस्थाएं की हैं। भागवत का रात्रि प्रवास प्रताप गौरव केंद्र में निर्धारित है।

3 जुलाई को कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा करेंगे शर्मा... फील्ड विजिट, सुधारों और नई पुलिसिंग कार्यशैली ने बनाई अलग पहचान

राजस्थान पुलिस के 'फील्ड मार्शल' राजीव शर्मा ने DGP पद की गरिमा और प्रतिष्ठा को किया पुनर्स्थापित

राजेन्द्र छाबड़ा | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा 3 जुलाई को अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा करने जा रहे हैं। इस एक वर्ष को राज्य पुलिस के लिए बदलाव, जवाबदेही और आधुनिक पुलिसिंग के दौर के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान पुलिस की कमान सौंपे जाने के बाद डीजीपी राजीव शर्मा ने फील्ड पुलिसिंग, संस्थागत सुधारों और प्रभावी कानून-व्यवस्था पर विशेष ध्यान देकर अपनी अलग पहचान बनाई है। पुलिस मुख्यालय तक सीमित रहने के बजाय डीजीपी शर्मा ने बाड़मेर और डूंगरपुर जैसे दूरस्थ एवं सीमावर्ती जिलों सहित पूरे प्रदेश का व्यापक दौरा किया। उन्होंने स्वयं जिलों में पहुंचकर कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा की समीक्षा की तथा पुलिस अधिकारियों के साथ सीधे संवाद स्थापित किया। इससे जमीनी स्तर पर पुलिसिंग और जनसंपर्क व्यवस्था को मजबूती मिली।

आधुनिकीकरण के प्रबल समर्थक डीजीपी शर्मा ने पुलिस संसाधनों और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने को प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में राजस्थान पुलिस बेड़े में 500 से अधिक नए वाहन शामिल किए गए, जिससे विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को भी अधिक समय फील्ड में बिताने के निर्देश दिए, जिससे पुलिस की सक्रियता और निगरानी बढ़ी। उनकी सबसे महत्वपूर्ण पहलों में पहली बार महिला कांस्टेबलों को बीट अधिकारी के रूप में नियुक्त करना शामिल है। यह कदम महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कम्युनिटी लायजन ग्रुप्स (सीएलजी) के विस्तार के जरिए आमजन की भागीदारी को भी बढ़ावा दिया। डीजीपी शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ। व्यापक प्रशिक्षण, सतत मॉनिटरिंग और तकनीक आधारित व्यवस्थाओं के माध्यम से इन कानूनों को सफलतापूर्वक लागू किया गया। उनके कार्यकाल में संगठित अपराध के खिलाफ लगातार कार्रवाई हुई, महिलाओं एवं एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ अपराधों में कमी दर्ज की गई तथा साइबर ठगी में गंवाई गई रकम की रिकवरी में राजस्थान देश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हुआ। रणनीतिक सोच और मजबूत फील्ड उपस्थिति के समन्वय के साथ राजीव शर्मा ने स्वयं को एक प्रभावशाली पुलिस नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। उनके पहले वर्ष ने राजस्थान पुलिस में जवाबदेही, आधुनिकीकरण और जनसेवा की संस्कृति को नई मजबूती प्रदान की है।

■ शेष पेज 12 पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट करते DGP राजीव शर्मा।

फाइल फोटो

जरूरी खबर

संपर्क पोर्टल पर 93 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो पेंडेंसी नीति को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग लगातार शिकायत निवारण व्यवस्था को मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में राज्य परियोजना निदेशक एवं स्कूल शिक्षा आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल 181 हेल्पलाइन अनुभाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा विभाग से संबंधित शिकायतों, उनके निस्तारण और प्राप्त फीडबैक की समीक्षा की। साथ ही विद्यालय व्यवस्थाओं, टीसी और अंकतालिका से जुड़े मामलों का मौके पर ही विश्लेषण किया। डैश बोर्ड के अनुसार कुल 3,563 शिकायतों में से 3,327 का निस्तारण किया जा चुका है, जो 93 प्रतिशत से अधिक है।

परीक्षा देने के लिए छात्र को मिली अंतरिम जमानत

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने शिक्षा के अधिकार और छात्र के शैक्षणिक भविष्य को महत्व देते हुए जेल में बंद बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र साहिद को विश्वविद्यालय परीक्षा में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दे दी। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह राहत साहिद पुत्र जाहिर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दी गई। साहिद जिला डीग की जेल में न्यायिक अभिरक्षा में बंद है और उसके खिलाफ थाना कैथवाड़ा में बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत मामला दर्ज है। अदालत को बताया गया कि वह जनक नेमसिंह परमार महाविद्यालय, सीकरी में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर का छात्र है तथा उसकी परीक्षाएं 18 जून से 1 जुलाई, 2026 तक हैं।

कुंभलगढ़ बनेगा राजस्थान का छठा टाइगर रिजर्व

जयपुर। राजसमंद जिले की कुंभलगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी को टाइगर रिजर्व घोषित करने के प्रस्ताव को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की टेक्निकल कमेटी ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कुंभलगढ़ राजस्थान का छठा और देश का 59वां टाइगर रिजर्व बनने की दहलीज पर पहुंच गया है। उदयपुर वन्यजीव विंग के सीसीएफ सेडूराम यादव ने बताया कि एनटीसीए ने कुछ अतिरिक्त जानकारियां मांगी हैं, जिन्हें जल्द भेजा जाएगा। इसके बाद अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में फैली कुंभलगढ़ सेंचूरी अरावली की दुर्गम पहाड़ियों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां वर्तमान में बाघ नहीं हैं, लेकिन लेपर्ड, भेड़िया, स्लॉथ बियर, लकड़बग्घा, चौसिंगा समेत कई दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आरएसएस और भाजपा पर तीखा हमला, बोले-

‘देश हिंदू राष्ट्र बन चुका है, केवल औपचारिक घोषणा बाकी’

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर आरएसएस और भाजपा पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि ‘देश हिंदू राष्ट्र बन चुका है, केवल इसकी औपचारिक घोषणा बाकी है।’ उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस की नीतियों से अल्पसंख्यक और अन्य धर्मों को दबाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर आज की बीजेपी की तरह बदले की भावना से कार्रवाई करती तो आरएसएस और भाजपा कभी नहीं पनपते। गहलोत ने मंगलवार को अपने

आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आरएसएस को कांग्रेस का शुक्रगुजार होना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस की उदार और लोकतांत्रिक सोच के कारण ही संघ ने अपने 100 साल पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर दो बार प्रतिबंध लगा था, लेकिन माफी मांगने पर उसे हटा दिया गया। उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर अन्य धर्मों के लोगों को जानबूझकर उकसाने का आरोप लगाया। क्रिसमस पर चर्चों पर हमलों और गुंडागर्दी का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि यह लॉन्ग टर्म न भाजपा के हित में है और ना ही देश-प्रदेश के हित में। उन्होंने आरएसएस के भवनों और भाजपा कार्यालयों पर अरबों रुपए खर्च का सवाल उठाते हुए पूछा कि इतना पैसा कहां से आ रहा है। गहलोत ने कहा कि हम सब हिंदू हैं, लेकिन इस देश में मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, पारसी सभी रहते हैं। संविधान के अनुसार सबको अपना जीवन जीने का अधिकार है।

स्पीकर कह रहे कि कोई राहुल गांधी के कार्यक्रम में न जाए

गहलोत ने राहुल गांधी के प्रस्तावित कोटा दौरे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ओम बिरला लोगों को राहुल गांधी के कार्यक्रम में जाने से मना कर रहे हैं और कोचिंग संस्थानों को धमकाया जा रहा है। ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि लोग कार्यक्रम से दूरी बनाए रखें। गहलोत ने कहा कि जिस लोकसभा के राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं, उसी सदन के अध्यक्ष होने के नाते ओम बिरला को उनका स्वागत करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय कार्यक्रम को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे लोकतांत्रिक परंपराओं और राजनीतिक शिष्टाचार पर सवाल खड़े होते हैं।

बिरला पर लगाए आरोप ‘बेबुनियाद’ और ‘दुर्भाग्यपूर्ण’

“अशोक गहलोत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर लगाए गए आरोप ‘बेबुनियाद’ और ‘दुर्भाग्यपूर्ण’ हैं। गहलोत केवल सुर्खियां बटोरने और आलाकमान की वाहवाही लूटने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। भारत की किस संसदीय परंपरा या नियमावली में यह प्रावधान है कि लोकसभा अध्यक्ष की ओर से किसी सांसद या नेता प्रतिपक्ष का स्वागत किया जाना चाहिए।

-राजेंद्र राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष

“जवाहरलाल नेहरू के समय और 1971 में भी जनसंघ पर रोक लगाने का काम हुआ था, लेकिन उसका परिणाम कांग्रेस भुगत चुकी है। भारत हिंदू राष्ट्र पहले भी था और आगे भी रहेगा। अशोक गहलोत अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। राहुल गांधी का पेपर लीक विरोध के लिए राजस्थान चुनना कहीं न कहीं पूर्व की कांग्रेस राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करने का काम है।

-अरुण चतुर्वेदी, अध्यक्ष, राज्य वित्त आयोग

राहुल गांधी के ‘छात्रों से संवाद’ पर सियासत तेज, भाजपा नेता बोले-

जिनके राज में लीक हुए 19 पेपर, वे अब उठा रहे सवाल

बेधड़क | जयपुर

नीट यूजी पेपर लीक और 21 जून को प्रस्तावित री-नीट परीक्षा से ठीक पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कोटा दौरे को लेकर सियासत तेज हो गई है। राहुल गांधी की ‘छात्रों से संवाद’ महारैली को भाजपा ने राजनीतिक ड्रामा बताते हुए मोर्चा खोल दिया है। भाजपा नेता लगातार कांग्रेस पर हमलावर हैं। वहीं, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने भी पलटवार करते हुए भाजपा पर तीखे आरोप लगाए हैं, जिससे राजनीतिक घमासान और तेज हो गया है।

भाजपा का आरोप है कि जब 21 जून को नीट यूजी की दोबारा परीक्षा होने जा रही है और ऐसे संवेदनशील समय में छात्रों को बड़े राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल करने का प्रयास उनकी पढ़ाई और मानसिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। वहीं कोटा में लगे बड़े होर्डिंग्स भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सवाल उठाए गए हैं कि ‘जिसके राज में 19 पेपर लीक की घटनाएं हुईं, वह किस मुंह से छात्रों से संवाद कर रहा है।’ कांग्रेस का आरोप है कि राहुल गांधी के संवाद कार्यक्रम से घबराकर भाजपा इसे विफल करने की कोशिश कर रही है। पार्टी का कहना है कि कोटा में हॉस्टल और कोचिंग संचालकों को कार्यक्रम में शामिल न होने देने के लिए धमकाया जा रहा है।

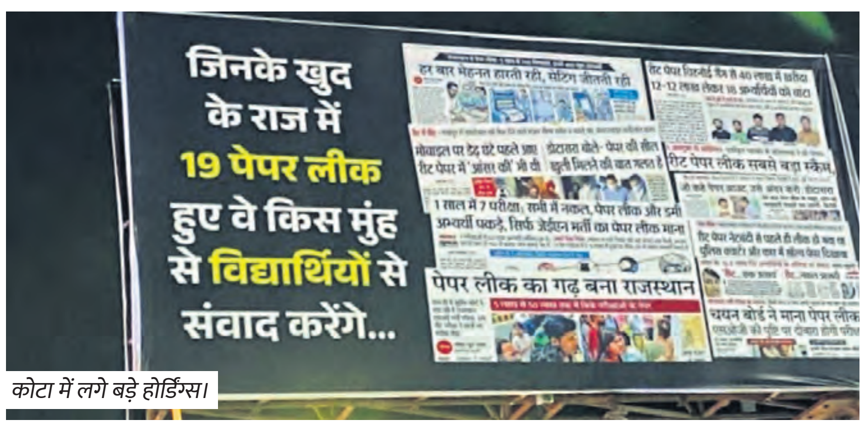

कोटा में लगे बड़े होर्डिंग्स।

लोगों ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया: राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज देश में कांग्रेस समाप्त हो रही है और लोगों ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। गोविंद सिंह डोटासरा के पेपर लीक से युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेलने वाले बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि डोटासरा अपने समय के पेपर लीक को क्यों भूल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भजनलाल सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि कोटा में छात्र अपनी परीक्षा की तैयारी के लिए यहां आते हैं, न कि राजनीतिक आयोजनों में शामिल होने के लिए। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने भविष्य को प्राथमिकता दे रहे हैं और ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने का दबाव बनाना उचित नहीं है।

राहुल गांधी के कोटा दौरे को विफल करने की साजिश

डोटासरा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पहले ट्रेन से आने वाले थे, लेकिन आशंका है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार जानबूझकर ट्रेन को लेट कर सकती है, इसलिए कार्यक्रम प्रभावित न हो, इसके लिए चार्टर प्लेन की व्यवस्था की गई है। डोटासरा ने कहा कि शहर से राहुल गांधी के पोस्टर और होर्डिंग हटाए जा रहे हैं। राजेंद्र राठौड़ के बयान पर पलटवार करते हुए डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी कोटा को बदनाम करने नहीं, बल्कि सम्मान और सैल्यूट करने आ रहे हैं, जबकि बदनाम भाजपा नेता कर रहे हैं, सरकार ने पेपर लीक के बाद भी एफआईआर तक दर्ज नहीं होने दी।

वित्त आयोग ने मांगे जमीनी सुझाव

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए किया मंथन

संवाद कार्यक्रम में वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, शासन सचिव एवं आयुक्त, पंचायती राज विभाग डॉ. जोगाराम, सदस्य सचिव, राज्य वित्त आयोग नरेश कुमार ठकराल और जनप्रतिनिधि व अधिकारी।

बेधड़क | जयपुर

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित संवाद कार्यक्रम में पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीण विकास तथा वित्तीय सशक्तीकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में ग्राम पंचायतों की वित्तीय जरूरतों, विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ग्राम पंचायतों को वित्त आवंटन करने की मांग की।

साथ ही राज्य वित्त आयोग (एसएफसी) अनुदान की पहली किश्त में 80 प्रतिशत राशि जारी करने और शेष 20 प्रतिशत बाद में देने का सुझाव दिया, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों। बैठक में ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए अलग सफाई कर्मियों की नियुक्ति, स्ट्रीट लाइटों के लिए सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा आधारभूत ढांचे के रखरखाव और मरम्मत के लिए भी पृथक अनुदान उपलब्ध कराने की मांग उठी। जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार फंड के उपयोग, माध्यमिक विद्यालयों को वित्तीय सहायता देने और पंचायत स्तर पर अतिक्रमण रोकने के लिए प्रभावी प्रवर्तन एजेंसी गठित करने का भी सुझाव दिया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली ओडीएफ ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन राशि देने की मांग भी प्रमुखता से सामने आई। मीडिया से बातचीत में अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझाव जमीनी अनुभवों पर आधारित हैं और आयोग उनकी गंभीरता से समीक्षा कर उन्हें अनुशंसाओं में शामिल करने पर विचार करेगा।

देखभाल की जिम्मेदारी सरकार को दी

हाई कोर्ट ने हाथी ‘मोहन’ की सुपुर्दगी पर लगाई रोक

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने फर्जी ट्रांजिट के जरिए असम से जयपुर लाए गए हाथी ‘मोहन’ की कस्टडी महावत को सौंपने के निचली अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही अदालत ने महावत सलीम को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस बिपिन गुप्ता की अवकाशकालीन एकलपीठ ने राज्य सरकार की याचिका पर यह आदेश दिए। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि मोहन हाथी को लोकनाथ बोहरा नामक व्यक्ति असम से जयपुर लेकर आया था और मामला फर्जी ट्रांजिट परमिट से जुड़ा हुआ है। वन विभाग ने जांच के दौरान हाथी को जब्त कर लिया था। इसके बाद महावत सलीम ने निचली अदालत में सुपुर्दगी के लिए आवेदन किया, जिस पर 29 अप्रैल को हाथी की कस्टडी उसे सौंपने के आदेश दिए गए थे। सरकार ने तर्क दिया कि किसी भी हाथी को राज्य में लाने के लिए चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन की अनुमति आवश्यक होती है। वर्तमान में हाथी मोहन जयपुर के एलीफेंट विलेज में रखा गया है। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाते हुए हाथी की देखभाल की जिम्मेदारी राज्य सरकार को सौंप दी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष: उपलब्धियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

देश को सुशासन और आत्मनिर्भरता को समर्पित सरकार मिली: राज्यवर्धन

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा जयपुर शहर की ओर से चलाए जा रहे ‘12 साल विश्वास के, विकास के एवं जनकल्याण के’ अभियान के तहत भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यालय में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन उद्योग, युवा मामले और खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूती में ही देश की मजबूती निहित है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर विश्वास जताया है, क्योंकि पिछले 12 वर्षों में देश को जनसेवा, सुशासन और आत्मनिर्भरता को समर्पित सरकार मिली है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि वे सेतु की तरह कार्य कर केंद्र सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचा रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि मोदी का जीवन साधारण नागरिक के रूप में शुरू हुआ, इसलिए उनकी योजनाएं भी सीधे जनता की जरूरतों और हितों से जुड़ी होती हैं।

उन्होंने कहा कि देश में 60 वर्षों तक अन्य सरकारें भी रहीं, इसलिए पिछले 12 वर्षों में हुए सकारात्मक बदलावों की तुलना करना और उन्हें समझना आवश्यक है। कार्यक्रम में भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेधड़क TOON

पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था ने सरकार को भेजा विधिक नोटिस

अवैध कब्जों को लेकर जारी आदेश वापस लें

बेधड़क | जयपुर

सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों और अतिक्रमणों को नियमित करने संबंधी राज्य सरकार के हालिया आदेश को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्य करने वाली संस्था ‘पब्लिक अगेंस्ट करप्शन’ की ओर से राजस्थान सरकार, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग तथा स्थानीय स्वशासन विभाग को विधिक नोटिस भेजकर 10 जून, 2026 को जारी आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की गई है। राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, अभिनव भंडारी और डॉ. टीएन शर्मा ने नोटिस में कहा है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को नियमित करने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के विभिन्न आदेशों की भावना के विपरीत है तथा इसे न्यायालय की अवमानना माना जा सकता है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि इस आदेश के माध्यम से सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमणों और अवैध कब्जों को वैधता प्रदान कर भूमि माफियाओं और अवैध कब्जाधारकों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। संस्था का कहना है कि इससे कानून का शासन कमजोर होगा और भविष्य में सरकारी भूमि पर नए अतिक्रमणों को बढ़ावा मिलेगा। अधिवक्ताओं ने अपने नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों, विशेष रूप से राजेन्द्र कुमार बड़जात्या बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यायालय ने अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए हैं कि बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण नहीं किए जाएं तथा अवैध निर्माणों को नियमित करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाए। संस्था ने दावा किया कि बार-बार अवैध कब्जों को नियमित करने की नीतियां ईमानदार नागरिकों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं और शहरी नियोजन, पर्यावरण संरक्षण तथा सार्वजनिक संसाधनों के समुचित उपयोग को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

अवमानना की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी

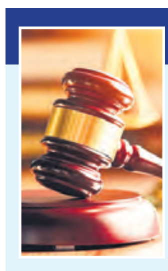

विधिक नोटिस के माध्यम से राज्य सरकार को आदेश प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर विवादित आदेश वापस लेने की मांग की गई है। संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो राजस्थान हाई कोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की जाएगी और अवमानना की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। अधिवक्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा और कानून के शासन को बनाए रखना राज्य का संवैधानिक दायित्व है तथा किसी भी परिस्थिति में अवैध कब्जों को वैधता प्रदान करने वाली नीतियां स्वीकार्य नहीं हो सकतीं।

PHED ठेकेदारों ने वापस ली पानी बंद करने की चेतावनी

सरकार से 2000 करोड़ का भुगतान व समय सीमा बढ़ाने पर बनी सहमति

बेधड़क | जयपुर

पीएचईडी कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन और राज्य सरकार के बीच मंगलवार को हुई सकारात्मक वार्ता के बाद ठेकेदारों ने पूरे प्रदेश में 17 जून से प्रस्तावित पेयजल सप्लाई बंद करने की चेतावनी वापस ले ली है। वार्ता में ठेकेदारों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए सरकार ने उनकी अधिकांश मांगों को स्वीकार कर लिया। अक्टूबर 2024 से 15 जून, 2026 तक बिना एलडी काटे कार्य पूर्ण करने की समय सीमा बढ़ाने पर सहमति बन गई है। सरकार ने भुगतान को लेकर भी ठोस आश्वासन दिया है। इसके तहत लगभग 1000 करोड़ रुपए अगले सात दिनों के अंदर और शेष 1000 करोड़ रुपए 15 जुलाई, 2026 तक जारी करने की सहमति दी गई है। पीएचईडी कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने इस फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन ने सभी योजनाओं में सुचारू रूप से पेयजल सप्लाई जारी रखने का भरोसा भी दिया है।

यह था मामला...

इससे पहले पीएचईडी ठेकेदारों ने पूरे राजस्थान में 17 जून से पेयजल आपूर्ति बंद करने की चेतावनी दी थी। ठेकेदारों का आरोप था कि मंत्री स्तर पर हुए समझौते के बावजूद लंबित बकाया भुगतान नहीं किया जा रहा है। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने ठेकेदारों की मांगों को वाजिब बताते हुए कहा था कि विभागीय अधिकारियों ने उनसे बात कर ली है और रुके हुए भुगतान जल्द जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने ठेकेदारों से पानी बंद न करने की अपील की थी।

जरूरी खबर

फायर एनओसी नहीं, 4 संस्थानों को किया सीज

बेधड़क, जयपुर। दिल्ली में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद जयपुर नगर निगम भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निगम ने अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले चार बड़े प्रतिष्ठानों और संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें 180 दिनों के लिए सीज कर दिया है। उपायुक्त (फायर) प्रवीण कुमार के नेतृत्व और मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतमलाल की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

शहरी सेवा शिविर में मिनटों में बने 143 प्रमाण पत्र

जयपुर। राज्य सरकार की पहल पर नगर निगम जयपुर द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर-2026 आमजन के लिए त्वरित राहत का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। मंगलवार को मानसरोवर जोन कार्यालय में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों की विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। अब अगला शिविर गुरुवार को विद्याधर नगर जोन कार्यालय स्थित अंबाबाड़ी सर्किल में आयोजित किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि शिविरों का उद्देश्य विभिन्न शहरी सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर नागरिकों के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करना है। आमजन की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क, पेयजल, बिजली, बैठने तथा छाया की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बेधड़क, जयपुर। खोह नागोरियान के करीम नगर-बी तलाई इलाके में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हादसे के मुख्य आरोपी कयूम खान को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। 9 जून को हुए इस दर्दनाक हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद से कयूम अपने साथी याकूब खान और फिरोज के साथ फरार चल रहा था। घटना के बाद कयूम पहले जयपुर के शास्त्री नगर पहुंचा, फिर टोंक के निवाई होते हुए उत्तर प्रदेश भाग गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने लगातार ठिकाने बदले और अपने रिश्तेदारों तथा परिचितों से भी संपर्क तोड़ दिया। यहां तक कि वह अपना मोबाइल भी घर ही छोड़ गया।

पश्चिमी विक्षोभ का असर: कई जिलों में आज भी आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम का यू-टर्न... कहीं हुई बारिश तो कहीं चली धूल भरी आंधी

बेधड़क | जयपुर

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार को रुक-रुक कर तेज बारिश और आंधी का दौर जारी रहा। बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, नागौर, डीडवाना, जयपुर, अजमेर, टोंक और सवाई माधोपुर सहित अनेक जिलों में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखने को मिला।

बरसात से कुचामन सिटी की कई कॉलोनियां जलमग्न हो गईं, जबकि कुछ क्षेत्रों में धूल भरी आंधी ने जनजीवन को प्रभावित किया। बीकानेर और आसपास के इलाकों में तेज धूल भरी आंधी चली। बीकानेर-सूरतगढ़ राजमार्ग पर दृश्यता कम हो गई। बज्जू और खाजूवाला क्षेत्रों में रेत के बवंडर जैसे हालात बने रहे।

सुजानगढ़ और सादुलपुर में भी तेज बारिश के साथ आंधी दर्ज की गई। हनुमानगढ़ और झुंझुनूं जिलों में लगातार बारिश से कई जगह जलभराव हो गया। उदयपुरवाटी सहित कई क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम राजस्थान में तेज बारिश और आंधी की संभावना जताई है।

फलोदी रहा सबसे गर्म स्थान

जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और हल्की वर्षा व मेघगर्जन की संभावना जताई गई है। चूरू में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट है। वहीं, जयपुर का अधिकतम तापमान 37.0 डिग्री और न्यूनतम 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में सर्वाधिक तापमान फलोदी में 42.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने 17 जून के लिए श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, नागौर, अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद जिलों में अलर्ट जारी किया है।

JDA की कार्रवाई के बाद भी नंदपुरी रोड चौड़ीकरण अधर में

बुलडोजर चला, नेट बंद हुआ... फिर भी नहीं खुल रही राह!

- 1500 मीटर की सड़क में अब भी कई रोड़े, 50 कॉलोनियों की उम्मीदें फिर अटकीं
- जेडीए के सामने कोर्ट स्टे भी बड़ी चुनौती, बारिश से पहले 80 फीट रोड बनना चुनौती

बेधड़क | जयपुर

जगतपुरा के नंदपुरी रोड को 80 फीट चौड़ा करने के लिए जेडीए ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तो कर दी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्रवासियों की सुगम आवागमन की उम्मीदें अभी पूरी तरह साकार नहीं हो सकी हैं। एक दिन की इंटरनेट बंदी, भारी पुलिस बल, बुलडोजर और प्रशासनिक तैयारियों के बाद भी करीब 1500 मीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग पर कई बाधाएं अब भी कायम हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर 'राह आसान' कैसे होगी, जब सड़क निर्माण की राह में अभी भी जेडीए के सामने कोर्ट स्टे बड़ी चुनौती है और अन्य अवरोध भी मौजूद हैं। जेडीए ने 22 मई को पहले चरण में 134 अतिक्रमण हटाए थे और 8 जून को दूसरे चरण में धार्मिक स्थलों समेत अन्य निर्माणों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के बाद कॉलोनीवासियों में उम्मीद जगी थी कि वर्षों पुरानी समस्या का समाधान अब जल्द हो जाएगा और सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से शुरू होगा, लेकिन मौजूदा हालात बता रहे हैं कि परियोजना अभी मंजिल से काफी दूर है।

अब तीसरे चरण पर टिकी निगाहें

हालांकि दो चरणों की कार्रवाई के बाद भी परियोजना पूरी तरह बाधामुक्त नहीं हो पाई है। ऐसे में क्षेत्रवासियों की नजर अब संभावित तीसरे चरण की कार्रवाई पर टिकी हुई है। लोगों का कहना है कि जब तक पूरे डेढ़ किलोमीटर मार्ग से सभी अवरोध नहीं हटते और निर्माण कार्य शुरू नहीं होता, तब तक 'राह आसान' का दावा अधूरा ही रहेगा। फिलहाल स्थिति यह है कि बुलडोजर चल गए, अतिक्रमण हट गए, इंटरनेट बंदी भी हो गई, लेकिन सड़क अभी भी पूरी तरह नहीं बनी। ऐसे में 50 कॉलोनियों के हजारों निवासियों को राहत के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है।

जेडीए के सामने कानूनी अड़चनें चुनौती

सड़क के पूरे कॉरिडोर में कुछ हिस्सों पर अब भी कानूनी अड़चनें बनी हुई हैं। कई मामलों में न्यायालय से स्थगन आदेश (स्टे) होने के कारण जेडीए तत्काल कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। ऐसे में सड़क का पूरा कॉरिडोर एक समान चौड़ाई में विकसित करना मुश्किल नजर आ रहा है। जब तक शेष बाधाएं नहीं हटतीं, तब तक सड़क निर्माण का कार्य भी गति नहीं पकड़ सकेगा।

बारिश से पहले निर्माण पर संकट

मानसून दस्तक देने वाला है और ऐसे में सड़क निर्माण की संभावनाओं पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बारिश शुरू हो गई तो निर्माण कार्य प्रभावित होगा। खुदाई, लेवलिंग और डामरीकरण जैसे कार्य मानसून में मुश्किल हो जाते हैं। ऐसे में जिस सड़क को लेकर लोगों को जल्द राहत की उम्मीद थी, वह और लंबे इंतजार में बदल सकती है।

50 कॉलोनियों का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग

नंदपुरी रोड केवल एक सामान्य सड़क नहीं, बल्कि जगतपुरा और आसपास की 50 से अधिक कॉलोनियों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क चौड़ी होने से मालवीय नगर, प्रधान मार्ग, एपेक्स सर्किल और शहर के अन्य प्रमुख क्षेत्रों तक पहुंच आसान होनी है। वर्तमान में संकरी सड़क और ट्रैफिक दबाव के कारण लोगों को रोजाना जाम और लंबा चक्कर लगाने की मजबूरी झेलनी पड़ती है।

> नंदपुरी रोड चौड़ीकरण परियोजना पर कार्य प्रगति पर है। सड़क सीमा में आने वाले जिन मकानों पर कोर्ट स्टे है, उन मामलों में जेडीए न्यायालय में अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रख रहा है। सड़क निर्माण के लिए वर्क ऑर्डर भी जारी किया जा चुका है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही शेष बाधाओं को दूर कर कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।
>
> **-अपूर्वा पारवाल,** उपायुक्त, जेडीए जोन-सी

पीटीआई भर्ती घोटाला

डमी कैंडिडेट बनकर बैठा सूचना सहायक चढ़ा SOG के हत्थे

- आरोपी पर था 25 हजार का इनाम घोषित

बेधड़क | जयपुर

एसओजी ने पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में नकल और फर्जीवाड़े के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी वांछित आरोपी पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्तमान में बाड़मेर स्थित मुद्रा पंजीयन विभाग के उप महानिरीक्षक कार्यालय में सूचना सहायक के पद पर कार्यरत है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि भर्ती परीक्षा में मूल अभ्यर्थी मुकेश सारण की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा देने की शिकायत पर वर्ष 2024 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि पवन कुमार ने दलाल भभूताराम के माध्यम से 8 लाख रुपए लेकर मुकेश सारण की जगह परीक्षा दी थी।

शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा 25 सितंबर 2022 को दो पारियों में आयोजित हुई थी। पवन कुमार द्वारा डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने के कारण मूल अभ्यर्थी मुकेश सारण का अंतिम चयन हो गया और उसने पीटीआई पद पर नियुक्ति भी प्राप्त कर ली।

मामले में एसओजी ने पूर्व में मूल अभ्यर्थी सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि पवन कुमार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एसओजी की विशेष टीम ने लगातार निगरानी और दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धाराओं के साथ राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-2022 के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 26 जून 2026 तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। एसओजी अब उससे पूछताछ कर भर्ती परीक्षा में शामिल अन्य व्यक्तियों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। इस प्रकरण में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एसओजी के अनुसार मामले की गहन जांच जारी है और अन्य संदिग्धों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

आरोपी पवन कुमार।

दो किलोमीटर तक का रास्ता हुआ साफ

अतिक्रमणों पर चला बुलडोजर

बेधड़क | जयपुर

जेडीए ने शहर की प्रमुख सड़कों को अतिक्रमण-मुक्त बनाने की मुहिम के तहत मानसरोवर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 फीट सेक्टर रोड से करीब दो किमी तक फैले अतिक्रमणों को हटाया। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने मानसरोवर के वरुण पथ के सामने स्थित तिरूपति विहार, श्याम वाटिका और अशोक विहार तक सड़क सीमा में आ रहे स्थायी एवं अस्थायी अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाकर रास्ता साफ कराया। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देश पर जोन-पीआरएन क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान कई प्रकार के अवैध निर्माण हटाए गए। इससे पहले संबंधित अतिक्रमणकर्ताओं को जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए पाबंद किया गया था, लेकिन निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होने पर सामूहिक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया।

सीकर रोड पर रफ्तार का कहर

तीन हादसों में मां-बेटे समेत चार की मौत

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के सीकर रोड और उससे जुड़े इलाकों में मंगलवार को तीन अलग-अलग हादसों में मां-बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है।

हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नींदड़ मोड़ पर सुबह करीब 9 बजे सीमेंट से भरे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार मां-बेटे को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रेलर दोनों को रौंदता हुआ निकल गया। हादसे में संगीता (40) और उनके बेटे कृष (18) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मानसा माता नगर में किराए के मकान में रहते थे। पुलिस ने ट्रेलर जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बीएड छात्रा बनी हादसे का शिकार

वहीं चौमूं के सामोद रोड पर पानी के टैंकर और ई-रिक्शा की आमने-सामने की टक्कर में कनिष्का सैनी (20) की मौके पर ही मौत हो गई। कनिष्का बीएड की छात्रा थी और कॉलेज से घर लौट रही थी। दुर्घटना में ई-रिक्शा में सवार तीन से चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पोल से टकराई कार, युवक ने तोड़ा दम

वहीं विश्वकर्मा क्षेत्र में जयपुर-दिल्ली हाईवे पर एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पोल से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो अन्य मौके से भाग निकले। घायलों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दौसा निवासी रवि कुमार बैरवा को मृत घोषित कर दिया गया। रवि अपने दोस्तों के साथ खाटूश्यामजी दर्शन के लिए निकला था।

व्यापारी हरिशंकर शर्मा हत्याकांड का खुलासा

पुलिस ने 150 किलोमीटर पीछाकर हत्यारों को दबोचा

बेधड़क | जयपुर

व्यापारी हरिशंकर शर्मा की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी सीताराम और उसके साढ़ू संदीप शर्मा को करीब 150 किमी पीछा कर अजमेर के पास से गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि दोनों के बीच करीब एक करोड़ के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। 13 जून की शाम सीताराम ने हरिशंकर को बातचीत के बहाने अपने बाड़े में बुलाया। इसी दौरान दोनों में मारपीट हो गई।

गुस्से में सीताराम ने हरिशंकर के गुप्तांग पर लात मारी, जिससे वह गिर पड़ा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद दोनों आरोपियों ने शव को भूसे में छिपा दिया। अगले दिन शव को प्लास्टिक और तिरपाल में लपेटकर एक परिचित की वैगनआर कार की डिक्की में रख लिया था।

हीरापुरा जीएसएस में फिर तकनीकी फॉल्ट

VVIP क्षेत्रों समेत कई इलाकों में गुल रही बिजली

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आरवीपीएनएल) के हीरापुरा स्थित 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस) में एक बार फिर तकनीकी खराबी आने से राजधानी जयपुर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार हुई इस घटना ने हजारों बिजली उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी। भीषण गर्मी के बीच बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और डिस्कॉम के कॉल सेंटर्स और अभियंताओं के पास लगातार शिकायतें पहुंचती रहीं। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह 10:52 बजे हीरापुरा जीएसएस से बिजली आपूर्ति फेल हो गई। इसके चलते चंबल 132 केवी, मानसरोवर 220 केवी और 132 केवी स्टेडियम जीएसएस की विद्युत आपूर्ति ट्रिप हो गई। इसके प्रभाव से राजधानी के कई हिस्सों में अचानक बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। तकनीकी फॉल्ट के कारण सिविल लाइंस जैसे वीवीआईपी क्षेत्र, मानसरोवर, प्रताप नगर, सांगानेर, वैशाली नगर, रेलवे स्टेशन क्षेत्र समेत कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। गर्मी के मौसम में अचानक बिजली गुल होने से लोग परेशान नजर आए।

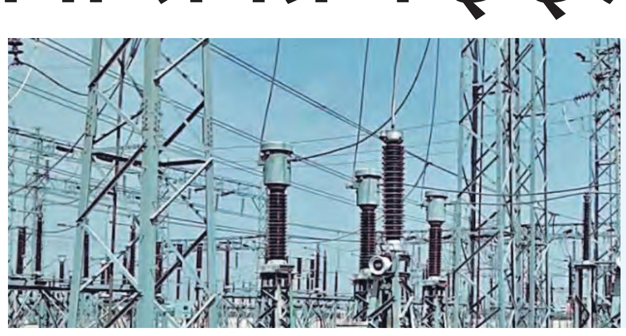

ऊर्जा मंत्री पहले ही जता चुके हैं नाराजगी

गौरतलब है कि हाल ही में केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में भाजपा मुख्यालय में बिजली आपूर्ति बाधित होने के मामले को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सख्त नाराजगी जताई थी। मामले में प्रथम दृष्टया जिम्मेदार पाए गए एक एईएन सहित दो कार्मिकों को निलंबित किया गया था, जबकि संबंधित एसई को चार्जशीट जारी की गई थी। इसके बावजूद हीरापुरा जीएसएस में दोबारा तकनीकी खराबी सामने आने से निगम की कार्यप्रणाली और विद्युत तंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे हैं।

चरणबद्ध तरीके से बहाल की गई सप्लाई

आरवीपीएनएल और डिस्कॉम की टीमों ने फॉल्ट के बाद बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य शुरू किया। 132 केवी स्टेडियम और मानसरोवर 220 केवी सब स्टेशन को सुबह 10:58 बजे यानी करीब 6 मिनट बाद रिकवर कर लिया गया। 132 केवी चंबल फीडर से जुड़े 11 केवी सब स्टेशन सुबह 11:13 बजे तक बहाल कर दिए गए। इसके बाद 33/11 केवी सब स्टेशनों की आपूर्ति 11:25 बजे तक चरणबद्ध तरीके से बहाल की गई।

जरूरी खबर

अपराधियों पर पुलिस का एक्शन, अवैध कब्जे हटाए

झालावाड़। पुलिस ने मंगलवार को हिस्ट्रीशीटरों के सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जों को हटा दिया। वहीं नशे के कारोबार से अर्जित 1.35 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर भी शिकंजा कस दिया। पनवाड़ थाना क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर कुंजबिहारी मीणा, उसके भाई महावीर व बालचंद के कब्जों को हटाकर करीब 20 बीघा सरकारी जमीन मुक्त कराई गई। झालरापाटन क्षेत्र में हार्डकोर अपराधी सागर कुरैशी के अवैध कब्जों पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए निर्माण को जमींदोज किया।

कार खाई में पलटी, दो की मौत व एक महिला घायल

पाली। पाली में बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंचने के बाद खाई में गिरकर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई व एक महिला घायल हो गई। घायल महिला का बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज जारी है। हादसा पाली-जोधपुर हाईवे पर मंडिया बाइपास के पास मंगलवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। हादसे में जोधपुर के पनवड़ निवासी कोषा (50) पत्नी पावन कुमार और आनंद कुमार (55) पुत्र हजारीलाल की मौत हो गई। वहीं आशा पत्नी (50) आनंद कुमार घायल हो गईं, जिनका उपचार चल रहा है। कार मंडिया बाईपास के डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंची और सड़क किनारे खाई में पलट गई।

श्रीसांवलियाजी के पहले दिन गिने गए 17.55 करोड़ रुपए

चित्तौड़गढ़। श्री सांवलिया मंदिर में 14 जून को खोले गए भंडार की राशि की काउंटिंग मंगलवार को हुई। राजभोग आरती के बाद शुरू हुए पहले राउंड की काउंटिंग में 17 करोड़ 55 लाख रुपए गिने गए। यह राशि सिर्फ पहले राउंड की गिनती की है। मंदिर प्रशासन के अनुसार अभी भंडार से निकले बड़े नोट, छोटे नोट और सिक्कों की गिनती पूरी नहीं हुई है। इसके अलावा श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने और चांदी का तौल भी बाकी है। ऐसे में भंडार से प्राप्त होने वाली कुल राशि और चढ़ावे का आंकड़ा आगे और बढ़ेगा। इस बार 14 जून को मंदिर का भंडार खोला गया था। उस दिन रविवार होने से राशि की काउंटिंग नहीं की गई। इसके बाद अगले दिन अमावस्या को भी काउंटिंग नहीं हो सकी।

12वें दिन भी जारी रहा किसान महापंचायत का धरना... आंदोलन तेज करने की चेतावनी

पांचना बांध से पानी की मांग, किसानों का रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन

बेधड़क | सवाईमाधोपुर

वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के गांव खंडीप में पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर चल रही किसान महापंचायत का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार उग्र होता जा रहा है। मंगलवार को 12वें दिन महस्वा सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने एक बार फिर दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन करते हुए करीब एक घंटे तक जाम लगा दिया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीण रेलवे पटरी पर बैठ गए और सामूहिक

दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर प्रदर्शन करते किसान।

रूप से पंगत लगाकर भोजन किया। कई युवाओं ने किसान एकता के समर्थन में नारेबाजी की तथा कुछ युवा रेलवे पटरी पर लेटकर विरोध जताते नजर आए।मौके पर पुलिस एवं प्रशासन पहले से तैनात था, लेकिन ग्रामीणों ने फाटक बंद नहीं होने दिया और ट्रैक पर प्रदर्शन जारी रखा। करीब एक घंटे तक रेलवे ट्रैक बाधित रहने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से वार्ता कर उन्हें समझाया। इसके बाद ग्रामीण ट्रैक से हटकर धरना स्थल पर पहुंच गए। इस दौरान रेलवे ट्रैक पर कोई ट्रेन नहीं आई। बाद में दोपहर करीब 3:15 बजे ट्रेन के आगमन से पूर्व फाटक बंद कर रेलवे यातायात सुचारु कराया गया और ट्रेन को बिना रुके निकाला गया। गौरतलब है कि पांचना बांध (करौली) से कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर किसान 5 जून से आंदोलन कर रहे हैं।

नहरों में पानी नहीं छोड़ने से नाराजगी

धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय नजदीक है, लेकिन अभी तक नहरों में सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा गया है। किसानों ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद नहरों में पानी नहीं खोला जा रहा, जिससे क्षेत्र के किसानों में भारी नाराजगी है।

डॉ. किरोड़ी ने लिखा सीएम को पत्र

किसानों के बढ़ते आक्रोश के बीच कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर तत्काल पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग की है। मंत्री ने साफ संकेत दिए हैं कि यदि समय रहते समाधान नहीं निकला तो वे वहां चल रहे आंदोलन में उतरने को मजबूर हो सकते हैं। आंदोलनकारी लगातार उनसे हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दोनों पक्षों के बीच तत्काल संवाद स्थापित कर हाई कोर्ट के आदेशों की पालना सुनिश्चित करते हुए नहरों में पानी छोड़ने का आग्रह किया है। पत्र में यह भी लिखा है कि हाई कोर्ट ने 8 जुलाई 2022, 23 अप्रेल 2026 और 1 मई 2026 को नहरों में पानी छोड़े जाने के संबंध में स्पष्ट आदेश दिए थे। लेकिन अब तक किसानों को पानी उपलब्ध नहीं कराया गया है। गौरतलब है कि पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर खंडीप में किसानों का धरना कई दिनों से जारी है। प्रतिदिन नए गांवों के लोग आंदोलन से जुड़ रहे हैं, जिससे इसका दायरा लगातार विस्तार ले रहा है।

बालोतरा जिले में दर्दनाक सड़क हादसा, गांव में शोक की लहर

रोडवेज बस-कार की भिड़ंत में चार सगे भाइयों की मौत

बेधड़क | बालोतरा

■ परिवार में रह गए बूढ़े माता-पिता, पत्नियां और सात मासूम बच्चे

बालोतरा जिले में मंगलवार की सुबह एक परिवार पर ऐसा कहर बनकर टूटी कि पूरे गांव की आंखें नम हो गईं। मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालने निकले चार सगे भाइयों की सड़क हादसे में एक साथ मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए और चारों भाइयों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जिस घर से सुबह चार बेटे हंसते हुए निकले थे, वहां कुछ ही देर बाद मातम और चीख-पुकार का माहौल छा गया। जानकारी के अनुसार कोड़ूका गांव निवासी उदाराम (39), रेखाराम (35), जोगाराम (31) और विशनाराम (29) मकान निर्माण का काम करते थे। आमतौर पर चारों अलग-अलग मजदूरी के लिए जाते थे, लेकिन मंगलवार को कालेवा गांव में एक साथ काम होने से वे एक ही कार में निकले थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा। पाटोदी गांव के पास सामने से आ रही रोडवेज बस और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक चारों भाइयों की सांसें थम चुकी थीं।

हादसे में चकनाचूर कार।

जोगाराम।

विशनाराम।

रेखाराम।

उदाराम।

परिवार का छिन गया सहारा

इस हादसे ने सिर्फ चार जिंदगियां नहीं छीनीं, बल्कि एक पूरे परिवार का सहारा छीन लिया। उदाराम अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ गए हैं। रेखाराम के दो बेटे हैं, जबकि विशनाराम के भी दो बेटे हैं। जोगाराम अविवाहित था और बोल नहीं सकता था। अब परिवार में बूढ़े माता-पिता, तीन विधवा बहुएं, सात मासूम बच्चे और दादी हैं, जिनके सामने भविष्य की बड़ी चिंता खड़ी हो गई है।

आक्रोशित लोगों ने की सड़क जाम

घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों का आक्रोश भी फूट पड़ा। उन्होंने सड़क जाम कर मुआवजे और दोषी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थानाधिकारी गीता कुमारी की समझाइश पर ग्रामीणों ने 20 मिनट बाद जाम हटा दिया। इसके बाद ग्रामीण पटोदी सीएचसी के आगे धरने पर बैठ गए। जहां प्रतिनिधि मंडल ने बालोतरा एसडीएम राजेश कुमार, एएसपी हरफूल सिंह को 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। इसमें ड्राइवर की गिरफ्तारी, हत्या का मुकदमा दर्ज करने, मृतकों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा, आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग की। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने भी अस्पताल पहुंचकर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि परिवार के सभी कमाने वाले सदस्यों की मौत हो गई है। यह केवल एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि एक परिवार की पूरी दुनिया उजड़ जाने की दर्दनाक कहानी है।

शादी में आए मां-बेटे और दो भाइयों की नदी में डूबने से मौत

बारां। छबड़ा इलाके में मंगलवार दोपहर 1 बजे पार्वती नदी में नहाने गए 4 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मरने वालों में मां-बेटे और दो भाई शामिल हैं। ये सभी शादी समारोह में शामिल होने छबड़ा के गूगौर आए थे। छबड़ा थाना प्रभारी राजेश खटाना ने बताया कि मरने वालों में गुड्डी बाई (45) पत्नी रशीद खां, निवासी छीपाबड़ौद, उनका बेटा सलाम (22) पुत्र रशीद खां, अरमान (17) पुत्र बंटी गौरी, और उसका भाई युनुस खान (18) निवासी गुना, मध्यप्रदेश हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि नहाने के दौरान मछली के जाल में पैर फंस जाने से एक युवक डूबने लगा। युवक को बचाने में तीन अन्य भी डूब गए। स्थानीय गोताखोर निरंजन खारोल की मदद से सभी को बाहर निकालकर छबड़ा के राजकीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अपराधी को छुड़ा ले गए ग्रामीण

पुलिस टीम पर हमला, ASI समेत पांच जवान घायल

बेधड़क | भरतपुर

डीग जिले में सोमवार देर रात अवैध हथियार के एक आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस घटना में एक एएसआई सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमलावर आरोपी को पुलिस हिरासत से छुड़ाकर ले गए। पुलिस वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बुडली गांव निवासी भुट्टू नामक व्यक्ति अवैध हथियारों के कारोबार में लिप्त है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम सोमवार देर रात गांव में दबिश देने पहुंची।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और उसके कब्जे से एक 12 बोर की बंदूक भी जब्त की। पुलिस टीम आरोपी को लेकर थाने की ओर रवाना हो रही थी। इसी दौरान आरोपी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर उसके परिजन और गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते करीब 50 लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। आरोप है कि भीड़ ने लाठी-डंडों से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। हमले के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की गई और आरोपी को छुड़ाकर ले जाया गया।

ये हुए घायल

घटना में एएसआई दशरथ सिंह, कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह, आरएसी कांस्टेबल सुरेश चंद और आरएसी कांस्टेबल रघुवीर सिंह घायल हुए हैं। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। वहीं हमले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आर्मी एरिया की छात्राओं से दोस्ती कर जुटाई जानकारियां

जासूसी का आरोप, युवक हिरासत में

बेधड़क | अलवर

अलवर में ईटाराणा सैन्य छावनी (कैंट एरिया) से सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में एक युवक को पकड़ा है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जोधपुर निवासी कुंदन विश्नोई (20) पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के लिए एक सक्रिय एजेंट के रूप में काम कर रहा था। वह भारतीय सेना की छावनी और संवेदनशील इलाकों के इनपुट पाकिस्तान शेयर करता था। इसके बदले उसे मोटी रकम (फंडिंग) मिलती थी। उस पैसे से छावनी में रहने वाले स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं से दोस्ती कर जानकारी जुटाता था। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भी उसने गोपनीय जानकारी पाकिस्तान भेजी थी।

आरोपी कुंदन विश्नोई।

रात में छात्रा से बात करते पकड़ा गया

कुंदन ने ईटाराणा सैन्य छावनी में रहने वाले एक युवक से दोस्ती गांठी थी, जिसके जरिए सैन्य क्षेत्र में एंट्री की। रविवार रात को वह छावनी परिसर के भीतर ही एक छात्रा से बातचीत कर रहा था। वहां गश्त कर रहे सेना के जवानों को शक हुआ, जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। उससे आईबी, सीआईडी और अन्य खुफिया एजेंसियों की संयुक्त टीम पूछताछ में जुटी है।

वन्यजीव रेस्क्यू को लेकर कार्यशाला का आयोजन

अधिकारियों व कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

बेधड़क | बूंदी

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व से सटे बफर जोन क्षेत्र में वन्यजीवों के आबादी क्षेत्रों में प्रवेश की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मंगलवार को गायत्री नगर नर्सरी, बूंदी में एक दिवसीय वन्यजीव रेस्क्यू कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का आयोजन उप वन संरक्षक (डीएफओ) बूंदी डॉ. आलोक नाथ गुप्ता के निर्देशन में किया गया। कार्यशाला में नाहरगढ़ जैविक उद्यान से वन्यजीव रेस्क्यू विशेषज्ञ डॉ. अरविंद माथुर ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया। उन्होंने बूंदी वन मंडल की विभिन्न रेंजों से आए सहायक वन संरक्षक (एसीएफ), रेंजर्स, वनपाल, सहायक वनपाल और वनरक्षकों को वन्यजीव रेस्क्यू से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। प्रशिक्षण के दौरान वन्यजीवों के सुरक्षित रेस्क्यू, आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं, रेस्क्यू उपकरणों के उपयोग तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के प्रभावी प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि वन्यजीवों के आबादी क्षेत्रों में पहुंचने की स्थिति में किस प्रकार सतर्कता और वैज्ञानिक तरीके से कार्रवाई की जानी चाहिए। कार्यशाला का उद्देश्य वन कर्मियों की क्षमता बढ़ाना तथा वन्यजीवों और आमजन दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से वन्यजीव रेस्क्यू कार्यों को अधिक प्रभावी और सुरक्षित ढंग से अंजाम देने में मदद मिलेगी।

डॉ. अरविंद माथुर के साथ वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री का कोटा दौरा

राहुल गांधी का छात्र संवाद राजनीतिक ड्रामा: बंसल

बेधड़क | कोटा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 17 जून को कोटा में प्रस्तावित छात्र संवाद कार्यक्रम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने राहुल गांधी के कार्यक्रम को राजनीतिक ड्रामा" बताते हुए कहा कि कांग्रेस छात्रों के मुद्दों की आड़ में राजनीति करने का प्रयास कर रही है, जबकि केंद्र सरकार शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। कोटा में पत्रकारों से बातचीत में बंसल ने कहा कि देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों का सबसे बड़ा केंद्र कोटा है। ऐसे समय में, जब कई छात्रों की महत्वपूर्ण परीक्षाएं नजदीक हैं, राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करना उचित नहीं कहा जा सकता। बंसल ने कहा कि छात्रों के हितों की चिंता केवल मंचों पर संवाद करने से नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और प्रभावी फैसलों से होती है। उनका आरोप था कि कांग्रेस छात्र समुदाय के बीच राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि चार दिन बाद कई छात्रों की परीक्षाएं हैं और इस समय उनका पूरा ध्यान पढ़ाई और तैयारी पर होना चाहिए। नीट और सीबीएसई से जुड़े सवालों पर बंसल ने कहा कि केंद्र सरकार इन मामलों को गंभीरता से ले रही है। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। भाजपा नेता ने कहा कि शिक्षा और परीक्षाओं जैसे संवेदनशील विषयों को राजनीतिक लाभ-हानि का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से भी छात्रों के हितों को प्राथमिकता देने की अपील की।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल।

बंगाल के जनादेश पर भी बोले

सुनील बंसल ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक घटनाक्रम पर कहा कि वहां की जनता ने लंबे समय से चले आ रहे 'गुंडाराज' के खिलाफ मतदान किया है। उनके अनुसार पहले 35 वर्ष वामपंथी शासन और पिछले 15 वर्षों से तृणमूल कांग्रेस की सरकार से जनता परेशान थी, इसलिए बदलाव के पक्ष में मतदान हुआ। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की रणनीति के कारण पार्टी को सफलता मिली। टीएमसी सांसदों के पाला बदलने के सवाल पर बंसल ने कहा कि एक भी सांसद ने भाजपा की सदस्यता नहीं ली है।

'कॉकरोच पार्टी' पर भी टिप्पणी

'कॉकरोच पार्टी' संबंधी सवाल पर बंसल ने कहा कि देश में इस तरह के राजनीतिक प्रयोग पहले भी होते रहे हैं। उनका कहना था कि जैसे पुराने प्रयोग सफल नहीं हुए, वैसे ही इस प्रयोग का भी वही हश्र होगा।इससे पहले बंसल ने कोटा के एमबीएस अस्पताल में जरूरतमंद दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किए और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी मौजूद रहे।

पिता की मौत का सदमा सह नहीं पाई बेटी, दे दी जान

बेधड़क | बीकानेर

बज्जू क्षेत्र में मंगलवार को एक बेहद दुखद घटना सामने आई, जहां पिता की अचानक मौत का सदमा उनकी बेटी सहन नहीं कर सकी और उसने भी जान दे दी। जानकारी के अनुसार, बज्जू थाना क्षेत्र के चक 3 बीजीएम (ए) निवासी पतराम गोदारा सोमवार शाम को बज्जू कस्बे में अपने निर्माणाधीन मकान पर गए थे। रात में वे वहीं रुके हुए थे। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे परिजनों को सूचना मिली कि पतराम मकान में अचेत अवस्था में पड़े हैं। परिवार के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में उनकी मौत हार्ट अटैक से होना बताया गया है। पिता के निधन से उनकी 22 वर्षीय बेटी ऋतु गोदारा सदमे में आ गई। परिजनों के अनुसार वह अपने पिता से बेहद जुड़ी हुई थी। जब पिता का शव घर लाया गया, उसी दौरान ऋतु घर के पास स्थित खेत की ओर चली गई और वहां बने तालाब में कूद गई। लोगों ने उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया।

पतराम गोदारा।

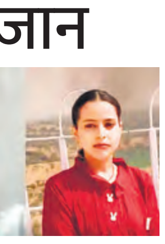

ऋतु गोदारा।

स्वामी गंगादास महाराज का 89वां वार्षिकोत्सव मनाया

श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर की विश्व कल्याण की कामना, झांकी सजी

बेधड़क | जयपुर

बर्फखाना आदर्श नगर स्थित स्वामी गंगादास महाराज मंदिर में गंगादास महाराज का 89वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन, भजन-कीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह गंगादास महाराज की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक कर फूल बंगला झांकी सजाई गई। सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व कल्याण की कामना की गई। श्रद्धालु वी मैं टांक दा नजारा देखिया... और जय स्वामीजी महाराज दी कलगियां दे सरताज दी... जैसे भजनों पर भाव-विभोर होकर झूम उठे। इस अवसर पर हरि मंदिर, पटौदी से पधारे स्वामी धर्मदेव महाराज ने प्रवचन कर धर्म और सेवा का संदेश दिया, जबकि भाई मन्नी सिंह ने गुरु महिमा का गुणगान किया। व्यवस्थापक मनीष मेंदीरत्ता ने बताया कि भंडारे में लगभग 10 हजार श्रद्धालुओं ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया। मेंदीरत्ता ने बताया कि भंडारे की अधिकांश व्यवस्था मंदिर के सेवादारों और टांक बिरादरी के परिवारों ने मिलकर संभाली। मंदिर के सामने स्थित दशहरा मैदान में विशाल लंगर की व्यवस्था की गई, जहां महिलाओं, युवाओं और बच्चों सहित सैकड़ों स्वयंसेवकों ने सेवा कार्यों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में विधायक गोपाल शर्मा, भाजपा नेता रवि नैय्यर, अशोक परनामी, चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान मंदिर के महंत गोपालदास महाराज, युवाचार्य पं. योगेश शर्मा, स्वामी अवधेशाचार्य महाराज, तुलसी संगतानी, गुलशन मक्कड़, किशोर मोतीयानी, अनिल खुराना, नितिन भाटिया समेत अन्य गणमान्य शामिल हुए।

गंगादास महाराज की सजी झांकी।

भंडारे में लंगर प्रसादी ग्रहण करते श्रद्धालु।

महाराणा प्रताप जयंती पर जयपुर में शौर्य गान

हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष पूरे होने पर 'हल्दीघाटी विजयोत्सव' आज

महाराणा प्रताप फाउंडेशन के पदाधिकारी हल्दीघाटी विजयोत्सव समारोह की पत्रकारों को जनकारी देते हुए।

बेधड़क | जयपुर

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्र भक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में महाराणा प्रताप फाउंडेशन की ओर से बुधवार को शाम 6 बजे जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में 'हल्दीघाटी विजयोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष समारोह में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, सांसद मंजू शर्मा, श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघ प्रमुख लक्ष्मण सिंह बैनियाकाबास, राज्यवर्धन राठौड़, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे।

भट्टारकजी की नसियां में मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम संयोजक प्रेम सिंह बनवासा ने बताया कि फाउंडेशन वर्षों से महाराणा प्रताप की गौरव गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य केवल इतिहास का स्मरण कराना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी में राष्ट्र भक्ति, त्याग, स्वाभिमान और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष पूर्ण होने पर महाराणा प्रताप के जीवन पर आधारित प्रेरणादायी फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा। साथ ही देश के ख्यातनाम वीर रस के कवि अपनी ओजस्वी कविताओं से शौर्य का संचार करेंगे। एक प्रतिभाशाली बालिका की ओर से महाराणा प्रताप को समर्पित गीत प्रस्तुति और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

आज का पंचांग

- **शुभ वि. सं.:** 2083
- **हिजरी सन:** 1448
- **ऋतु:** ग्रीष्म ऋतु
- **संवत्सर का नाम:** रौद्र
- **मास:** द्वितीय ज्येष्ठ (शुद्ध)
- **पक्ष:** शुक्ल
- **शाके संवत:** 1948
- **अयन:** सूर्य उत्तरायण

आज का दिन

बुधवार, 17 जून, 2026

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

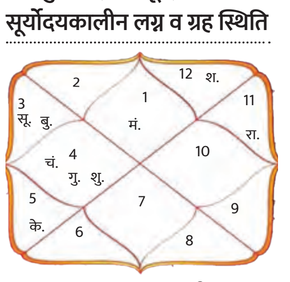

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज लाभ-अमृत का चौघड़िया सुबह 5.37 से 9.02 बजे तक है। बाद में शुभ का सुबह 10.45 से दोपहर 12.28 बजे तक, फिर चर का दोपहर 3.53 से 5.36 बजे तक, लाभ का 5.36 से 7.18 बजे तक है। इनमें शुभ कार्य कर सकते है।

अभिजीत: आज नहीं है।

तिथि: तृतीया रात 9.39 बजे तक है। इसके बाद में चतुर्थी तिथि शुरू होगी।

दिशाशूल: उत्तर दिशा में रहेगा।

चंद्रमा: आज मिथुन राशि में सुबह 8.13 बजे तक, फिर कर्क राशि में रहेगा।

राहु काल: आज दोपहर 1200 से 1.30 बजे तक रहेगा।

नक्षत्र: पुनर्वसु नक्षत्र रात 1.37 बजे तक, फिर पुष्य नक्षत्र रहेगा।

योग: ध्रुव योग रात 8.51 बजे तक, इसके बाद में व्याघात योग रहेगा।

शुभाशुभ ज्ञान

महाराणा प्रताप जयंती, मेला हल्दीघाटी राजस्थान, रंभा तीज व्रत, मोहर्रम मु. मास 1, हिजरी सन् 1448 प्रारंभ, अद्भुत दर्शन आज सायं पश्चिम क्षितिज में चंद्रमा के पास दो ग्रह गुरु व शुक्र दृश्य, दक्षिण में गुरु दोपहर 1.10 बजे एवं शुक्र रात 1.58 बजे, राज योग दोपहर 1.37 से रात 9.39 बजे तक, रवि योग दोपहर 1.37 बजे से।

-पं. अवधेश शर्मा

शहर में आज

- बिड़ला ऑडिटोरियम सभागार में महाराणा प्रताप फाउंडेशन का 'हल्दीघाटी विजयोत्सव' शाम 6 बजे।
- नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारकजी की नसियां से धार्मिक यात्रा की रवानगी शाम 6.30 बजे।
- फुलेरा रोड स्थित उगरियावास भंदे के बालाजी मंदिर में मेले का समापन दोपहर 12.30 बजे।

योग शिविर आज से

बेधड़क, जयपुर। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज जयपुर पश्चिम युवा प्रकोष्ठ की ओर से 17 से 19 जून तक हनुमान मंदिर सोनी कॉलोनी, भोमिया नगर, झोटवाड़ा में तीन दिवसीय निशुल्क योग शिविर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा खातीपुरा मंडल कोषाध्यक्ष मनोज सोनी (लाम्बा) ने बताया कि योग शिविर प्रतिदिन सुबह 6 से 7.30 बजे तक चलेगा। इसमें अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन प्राणायाम और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां कराई जाएंगी।

गौ सम्मान संकल्प यात्रा जयपुर लौटी

बेधड़क | जयपुर

अखिल भारतीय गोशाला सहयोग परिषद की ओर से आयोजित राष्ट्रीय गौ सम्मान संकल्प यात्रा के समापन के बाद यात्रा दल मंगलवार को जयपुर लौटा। टोंक रोड सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला में दल का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रियों ने काल भैरव मंदिर में दर्शन किए। यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न राज्यों की गोशालाओं, किसानों, संत-महात्माओं, कृषि विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों से संवाद किया। सुझावों के आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विस्तृत ज्ञापन भेजा गया है। परिषद ने गौ संरक्षण को सशक्त बनाने के लिए गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने का भी अनुरोध किया है। साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को विशेष प्रोत्साहन, प्रमाणन और निर्यात सहायता देने की सिफारिश की गई है। परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता के नेतृत्व में यात्रा ने देश के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों और ज्योतिर्लिंगों का भी भ्रमण किया।

मोहर्रम का चांद दिखा मजलिसें आज से

जयपुर। मोहर्रम का चांद दिखाई देने के साथ ही इस्लामिक नववर्ष की शुरुआत हो गई है। इसके साथ ही शिया समुदाय में गम-ए-हुसैन की याद में आयोजित होने वाली दस दिवसीय मजलिसों का सिलसिला आज से शहर के विभिन्न इमाम बाड़ों में शुरू होगा। जामा मस्जिद में मंगलवार को आयोजित हिलाल कमेटी की बैठक में शहर मुफ्ती मो. जाकिर नोमानी सहित कई धर्म गुरु शामिल हुए। बैठक में मोहर्रम के कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। जयपुर के इमाम बाड़ों को विशेष रूप से सजाया गया है।

राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
साधिकार प्रकाशित	Published by Authority

ज्येष्ठ 20, बुधवार, शाके 1948 – जून 10, 2026
Jyaistha 20, Wednesday, Saka 1948 – June 10,2026

भाग-1 (ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर

अधिसूचना (संशोधन)

जयपुर, जून 03, 2026

(भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 (1) के तहत)

संख्या: राजकाज नम्बर **RAJKAJ REF 22614748** :- **राजस्थान राजपत्र, भाग-1(ख), दिनांक 18.03.2026** में प्रकाशित इस विभाग की अधिसूचना संख्या राजकाज नम्बर 20902949 में तहसील फागी, जिला जयपुर के प्रभावित गांवों की सूची में क्रम संख्या 14 पर प्रकाशित ग्राम नाम में त्रुटि रह जाने के कारण निम्न संशोधन किया जाता है:-

1. क्रम संख्या 14 पर प्रकाशित ग्राम " " " " भोजपुरा के स्थान पर झोड़िन्दा भोजपुरा पढ़ा जाये।

उक्त अधिसूचना की अन्य समस्त प्रविष्टियां एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

पंकज आर्य
संयुक्त सचिव (पथ)
सार्वजनिक निर्माण विभाग

DIPR/C/10543/2026

बागेश्वर धाम में जयपुर के जितेंद्र का सम्मान

बेधड़क | जयपुर

बागेश्वर धाम में आयोजित राष्ट्रीय शिष्य मंडल प्रभारी एवं सह प्रभारी सम्मेलन में जयपुर गुलाबी नगरी शिष्य मंडल के प्रभारी जितेंद्र सिंह पंवार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बागेश्वर धाम सरकार ने सेवा धर्म जागरण और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान की सराहना की। महाराज ने उन्हें प्रभारी कार्ड भेंट कर आशीर्वाद दिया तथा समाज सेवा, गौ सेवा और धार्मिक जागरण के कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। विशेष बात यह रही कि देशभर के 210 शिष्य मंडलों के प्रभारियों में से उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर केवल 11 प्रभारियों का चयन सम्मान के लिए किया गया, जिनमें जितेंद्र सिंह पंवार भी शामिल रहे। इसे उनके कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान माना जा रहा है। सम्मान प्राप्त करने पर पंवार ने इसे जयपुर गुलाबी नगरी शिष्य मंडल के सभी सदस्यों और कार्यकर्ताओं की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया।

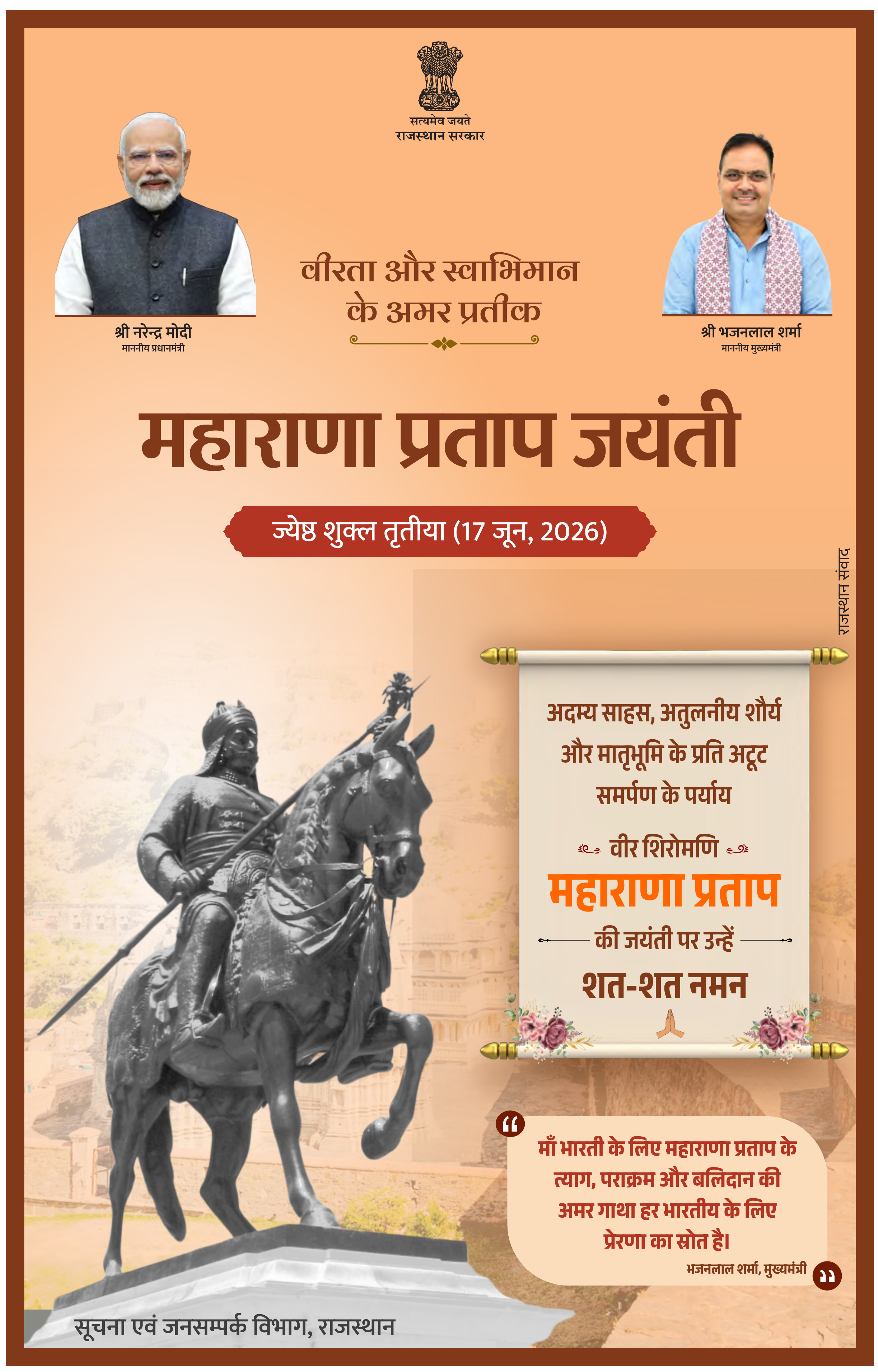

भंदे के बालाजी महाराज का 58वां मेला आयोजित

बजरंग बली के दर पर भक्तों ने किए भजन-कीर्तन, उमड़ा आस्था का ज्वार

बेधड़क | जयपुर

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भंदे बालाजी धाम में आयोजित बालाजी महाराज के 58वें मेले में मंगलवार को श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मेले में दूर-दूर से आए लाखों श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के दर्शन किए। मंदिर में दिनभर धार्मिक आयोजन चलते रहे। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक रोशनी, पुष्पों से सजाया गया। दर्शन के लिए सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दौरान अखण्ड सिद्ध धूणी में विशेष भोग लगाया गया। धूणी परिसर में लगातार रामधुनी और भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा। हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के संस्थापक संत अमरनाथ महाराज की उपस्थिति में श्रद्धालुओं को अर्थ सहित हनुमान चालीसा की पुस्तकों का वितरण किया गया। साथ ही चौपाइयों का सरल भाषा में अर्थ समझाया गया ताकि लोग इसके संदेश और महत्व को आसानी से समझ सकें।

भंदे के बालाजी की सजी झांकी।

मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब।

श्रद्धालुओं ने किए 108 हनुमान चालीसा पाठ

अमरनाथ महाराज ने कहा कि एक व्यक्ति यदि 100 हनुमान चालीसा पाठ कर ले या एक सौ व्यक्ति की ओर से एक स्वर में हनुमान चालीसा पढ़ने का एक ही फल मिलता है। इस मौके पर एक ही आसन पर 108 बार श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा पाठ किए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर भंडारे और शीतल शर्बत की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए। मेले के सफल आयोजन में समिति के पदाधिकारियों स्वयंसेवकों और सेवादारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हल्दीघाटी युद्ध की 450वीं वर्षगांठ पर विशेष

आक्रान्ता मुगलों पर विजय का प्रतीक था हल्दीघाटी युद्ध

वासुदेव देवनानी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा

हमारे यहां इतिहास लेखन में बहुत त्रुटियां हुई हैं। सच को झुठलाते हुए इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है। यह विडम्बना ही है कि आजादी के बाद पाठ्यक्रमों में भी भारत का इतिहास इसी का शिकार रहा। मैं शिक्षक रहा हूं और शोधार्थी भी। इसलिए जब इतिहास की गहराई में गया तो बहुत-सी कड़वी सच्चाइयां पता चलीं। दरबारी इतिहासकारों ने जो लिखा, उसी आधार पर हमारे यहां विद्यालयों में 'अकबर महान' पढ़ाया जाने लगा था। राजस्थान के शिक्षा मंत्री के रूप में जब काम करने का अवसर मिला तो मैंने इसे बदलते हुए 'महाराणा प्रताप महान' पढ़ाने की शुरुआत की। पूरे तथ्यों के साथ इस बात को हमने अपनी पाठ्य-पुस्तकों में प्रमाणित किया कि हल्दीघाटी का युद्ध और बाद में दिवेर के युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगलों को स्थायी रूप से मेवाड़ से खदेड़ दिया था।

महाराणा प्रताप की विजय पर जो लोग प्रश्न उठाते हैं, उन्हें इस बात को जानना चाहिए कि दरबारी इतिहासकारों ने ऐतिहासिक घटनाक्रमों की बजाय प्रशस्ति-गान किया है। इसमें कपोल-कल्पनाएं करते हुए तत्कालीन शासक को प्रसन्न करने के लिए गाथाएं गढ़ ली गई हैं। यह ऐतिहासिक सत्य है कि अकबर इस बात को जानता था कि महाराणा प्रताप को सीधे लड़ाई में कभी हराया नहीं जा सकता है। दरबारी इतिहासकार भी इस बात को जानते हैं, इसलिए प्रताप की वीरता को उन्होंने अस्वीकार नहीं किया है। असली बात यह है कि अकबर चाहता था कि हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप को बंदी बना लिया जाए और फिर मार दिया जाए, ताकि पूरे हिन्दुस्तान में उसके विरोध के एकमात्र कारण को ही समाप्त कर दिया जाए। इसीलिए उसने आमेर के राजा मानसिंह को सेनापति चुना और हल्दीघाटी युद्ध में प्रताप को बंदी बनाने भेजा। मुगलों की भारी-भरकम सेना के आगे महाराणा प्रताप की सेना बहुत ही कम थी, पर फिर भी महाराणा प्रताप ने अदम्य वीरता का परिचय देते हुए हल्दीघाटी का युद्ध जीता।

> "महाराणा प्रताप की सेना के आक्रमण का वेग इतना तीव्र था कि मुगल सैनिक जान बचाकर बनास के दूसरे किनारे 10-15 किलोमीटर दूर तक भाग खड़े हुए। बहुत सुनियोजित तरीके से बाद में विजयादशमी को दिवेर में मुगल सेना पर महाराणा प्रताप ने निर्णायक आक्रमण किया और मेवाड़ से स्थायी रूप से मुगलों को खदेड़ दिया।"

इतिहास की घटनाओं पर गौर करें, तो हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून, 1576 को हुआ। अकबर की ओर से मुगल सेना का नेतृत्व आमेर के राजा मानसिंह (प्रथम) ने किया। महाराणा प्रताप स्वयं अपने भाई शक्तिसिंह, हकीम खान सूरी आदि के साथ युद्ध में डटे हुए थे। मुगलों की सेना लगभग एक लाख के करीब थी, जबकि महाराणा प्रताप के पास मात्र बीस हजार से पच्चीस हजार सैनिक थे। महाराणा जानते थे कि युद्ध में इतनी कम सेना से मुगलों को हराना आसान नहीं है, इसलिए उन्होंने छापामार युद्ध और कूटनीति का सहारा लिया। हल्दीघाटी की संकरी घाटियों में उन्होंने मुगलों को घेरने और भ्रमित करने के साथ डराकर तथा छिपकर हमले किए। महाराणा की बड़ी शक्ति तब उनके साथी भील योद्धा थे। ये वे योद्धा थे, जो पेड़ों और दुर्गम घाटियों, चट्टानों तथा पहाड़ियों में छिपकर वार करने में माहिर थे। उनके सहयोग से महाराणा प्रताप ने मुगलों की बड़ी सेना को घेरकर हमले किए। मुगल सेना थोड़े समय में ही उखड़ गई। पूरा हल्दीघाटी का मैदान रक्त से भर गया। एक तरह से रक्त की नदी बहने लगी थी। इसी कारण हल्दीघाटी के क्षेत्र को आज भी रक्ततलाई कहा जाता है।

> "हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक ने भी बहुत निर्णायक भूमिका निभाई। चेतक की भूमिका साहस, वफादारी और ऐतिहासिक महत्व से भरी थी। इतिहास के कुछ कथानकों में यह भी मिलता है कि युद्ध में चेतक के चेहरे पर हाथी का मुखौटा लगाया गया था, ताकि मुगल सेना के हाथियों को भ्रमित किया जा सके।"

हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक ने भी बहुत निर्णायक भूमिका निभाई। चेतक की भूमिका साहस, वफादारी और ऐतिहासिक महत्व से भरी थी। इतिहास के कुछ कथानकों में यह भी मिलता है कि युद्ध में चेतक के चेहरे पर हाथी का मुखौटा लगाया गया था, ताकि मुगल सेना के हाथियों को भ्रमित किया जा सके। युद्ध में एक अवसर वह भी आया, जब चेतक ने अदम्य साहस दिखाते हुए मुगल सेनापति राजा मानसिंह के हाथी की सूंड पर अपने आगे के दोनों पैर रख दिए थे, ताकि महाराणा प्रताप मानसिंह पर सीधा वार कर सकें। इस दौरान मानसिंह के हाथी की सूंड में बंधी तलवार से चेतक का एक पैर बुरी तरह कट गया था। महाराणा प्रताप ने मानसिंह पर पूरी ताकत से वार किया, परन्तु शरीर पर कवच होने के कारण मानसिंह बच गया। लड़ाई में चेतक बुरी तरह घायल हो गया। तीन पैरों पर गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद चेतक ने स्वामीभक्ति का परिचय देते हुए अपने स्वामी को सुरक्षित रखा और अपने प्राण त्याग दिए। महाराणा प्रताप की सेना के आक्रमण का वेग इतना तीव्र था कि मुगल सैनिक जान बचाकर बनास के दूसरे किनारे 10-15 किलोमीटर दूर तक भाग खड़े हुए। बहुत सुनियोजित तरीके से बाद में विजयादशमी को दिवेर में मुगल सेना पर महाराणा प्रताप ने निर्णायक आक्रमण किया और मेवाड़ से स्थायी रूप से मुगलों को खदेड़ दिया। इस युद्ध में अमरसिंह ने मुगल सेनापति पर भाले से इतना जोरदार प्रहार किया कि उसे भेदते हुए भाला जमीन में धंस गया। दिवेर युद्ध में छत्तीस हजार की मुगल सेना ने महाराणा प्रताप और अमरसिंह के आगे आत्मसमर्पण कर दिया।

यह ऐतिहासिक तथ्य है। इससे यह भी प्रमाणित होता है कि युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने विजय के प्रतीक के रूप में एक वर्ष तक ताम्रपत्रों के माध्यम से दान और भूमि का वितरण किया। यह कोई स्वतंत्र राजा ही तब कर सकता था। यह भी इतिहास की कुछ पुस्तकों में मिल जाएगा कि अपनी विशाल सेना के बावजूद महाराणा प्रताप को जब अधीन करने में अकबर असमर्थ रहा, तो वह अपने सेनापतियों से बहुत नाराज हुआ था। उसने क्रोधित होकर अपने सेनापतियों, जिनमें राजा मानसिंह और आसफ खान प्रमुख थे, को अपने दरबार में आने से रोक दिया था।

हल्दीघाटी का युद्ध निर्णायक था। इसी युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगलों को यह अहसास करा दिया था कि वे उन्हें कभी अधीन नहीं कर सकते। एक भय उन्होंने मुगल सैनिकों में इसी युद्ध से पैदा किया कि महाराणा से युद्ध करने का अर्थ है अपना रक्त बहाना। मैं यह मानता हूं कि हल्दीघाटी का युद्ध राजस्थान ही नहीं, भारतीय इतिहास की अपूर्व गौरवगाथा है। महाराणा प्रताप ने हल्दीघाटी के युद्ध में अपने अदम्य साहस, वीरता और पराक्रम का ही प्रदर्शन नहीं किया, बल्कि सूक्ष्म रणनीतिक सूझ-बूझ से मेवाड़ की सदा-सदा के लिए स्वाधीनता की राह प्रशस्त की थी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

मुद्दा भटकाने का मौसम

राजेन्द्र कुमार सिंह
व्यंग्यकार

यदि आप अच्छा काम कर रहे हैं, तो आपके पांव खींचने और मीनमेख निकालने वालों की कमी नहीं होगी। यह परंपरा नई नहीं, सदियों पुरानी है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम तक इससे अछूते नहीं रहे। उनके जीवन और निर्णयों पर भी प्रश्न उठाए गए। आलोचना का दंश उन्होंने भी झेला। किंतु समय की कसौटी पर उनके व्यक्तित्व की प्रतिष्ठा बनी रही और वे आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में स्मरण किए जाते हैं। आज के दौर में भी तस्वीर बहुत अलग नहीं है। जो व्यक्ति, संस्था या विचार आगे बढ़ता दिखाई देता है, उसके प्रति कुछ लोगों के भीतर ईर्ष्या का अंकुर फूटने लगता है। फिर शुरू होता है सवालों, आरोपों और विवादों का सिलसिला। हमारे देश में एक दिलचस्प परंपरा और भी है। जब कोई ऐसा मुद्दा उभरता है, जिससे सत्ता, व्यवस्था या प्रभावशाली लोगों की असहजता बढ़ सकती है, तब अचानक कोई दूसरा विवाद सुर्खियों में आ जाता है। ऐसा लगता है मानो असली मुद्दे पर पर्दा डालने के लिए नया मंचन शुरू कर दिया गया हो। जैसे थिएटर में दर्शकों का ध्यान मुख्य दृश्य से हटाने के लिए अचानक रंग-बिरंगी रोशनी जला दी जाए। हाल के दिनों में पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता का प्रश्न देशभर में चर्चा का विषय बना।

यह केवल एक प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं थी, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य, उनकी मेहनत और उनके सपनों से जुड़ा मामला था। स्वाभाविक रूप से इस पर गंभीर बहस होनी चाहिए थी। लेकिन तभी समानांतर विवादों की एक नई फसल उगती दिखाई दी। मूल मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए बहस का केंद्र बदलने लगा। किसी के बयान को पकड़ लिया गया, किसी की टिप्पणी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया और किसी की प्रतिक्रिया को राष्ट्रीय विमर्श का विषय बना दिया गया। परिणाम यह हुआ कि असली प्रश्न पीछे छूटता गया और कृत्रिम विवाद आगे निकलते गए। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि एक ही दिशा में चलने वाले लोग आपस में उलझ पड़े। बहस मुद्दों पर कम और व्यक्तियों पर अधिक होने लगी। वर्चस्व की लड़ाई में ऊर्जा खर्च होने लगी और मूल प्रश्न कहीं पीछे छूट गया। ऐसा लगने लगा कि समस्या का समाधान कम और बहस का विस्तार ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

इस बीच कुछ पत्रकारों और सोशल मीडिया के प्रभावशाली चेहरों ने भी मैदान संभाल लिया। आरोप-प्रत्यारोप और कटाक्ष का ऐसा दौर चला कि मानो देश की सबसे बड़ी समस्या यही हो। शिक्षा, परीक्षा और युवाओं का भविष्य धीरे-धीरे बहस के केंद्र से हटता गया, जबकि विवादों की टीआरपी बढ़ती गई।

हालांकि अब जनता पहले जैसी भोली नहीं रही। वह समझने लगी है कि जब भी कोई ऐसा मुद्दा सामने आता है, जो सत्ता या व्यवस्था को असहज कर सकता है, तब अक्सर बहस की दिशा बदलने की कोशिशें तेज हो जाती हैं। नया विवाद पैदा कर पुरानी परेशानी को ढंकने का प्रयास किया जाता है। यह राजनीतिक मौसम विज्ञान का नया सिद्धांत है, जहां असली मुद्दों पर बादल छा जाएं, वहां विवादों की कृत्रिम बारिश करा दो। लेकिन हर बार यह रणनीति सफल हो जाए, ऐसा भी नहीं है।

कभी-कभी जनता मुद्दे और भटकाव के बीच का अंतर पहचान लेती है। तब सारा तिलिस्म टूटने लगता है और पर्दे के पीछे का मंचन दिखाई देने लगता है। फिलहाल तो इतना जरूर कहा जा सकता है कि देश में मौसम विभाग चाहे जो पूर्वानुमान जारी करे, सार्वजनिक जीवन में 'मुद्दा भटकाने का मौसम' पूरे शबाब पर है। कहीं बयान की बूंदाबांदी हो रही है, कहीं विवादों की आंधी चल रही है और कहीं आरोपों की गरज-चमक सुनाई दे रही है। बस, असली मुद्दों की धूप अभी भी बादलों के पीछे छिपी हुई है।

सेवा, सुशासन और विकास का नया भारत

मोदी के 12 वर्ष: प्रदेश में डबल इंजन सरकार की प्रगति

राजेन्द्र राठौड़
पूर्व मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष
राजस्थान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्रीय गौरव के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। वर्ष 2014 में जब देश ने उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी थी, तब भारत आर्थिक सुस्ती, नीतिगत जड़ता, भ्रष्टाचार और जनविश्वास के संकट से जूझ रहा था। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आया है और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने शासन को जनकेंद्रित बनाते हुए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को विकास की आधारशिला बनाया। गरीब कल्याण को शासन के केंद्र में स्थापित करने का परिणाम यह हुआ कि करोड़ों परिवार पहली बार पक्के घर, गैस कनेक्शन, शौचालय, बैंक खाते, बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े।

नीति आयोग के अनुसार वर्ष 2013-14 से 2022-23 के बीच लगभग 24.82 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले। यह उपलब्धि दुनिया के सबसे बड़े गरीबी उन्मूलन अभियानों में से एक मानी जा रही है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत देश में 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनके माध्यम से डीबीटी ने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को खाद्यान्न सुरक्षा प्रदान की गई, जबकि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 60 करोड़ से अधिक लोगों को पांच लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देशभर में सवा करोड़ से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं। विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अधिकांश आवास महिलाओं के नाम या संयुक्त स्वामित्व में स्वीकृत किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल क्रांति का भी नया अध्याय लिखा है। डिजिटल इंडिया अभियान ने शासन को पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाया है। आज भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बन चुका है। यूपीआई ने आर्थिक लेन-देन की तस्वीर बदल दी है और गांव-गांव तक डिजिटल समावेशन सुनिश्चित किया है। युवा शक्ति को राष्ट्र-निर्माण की धुरी मानते हुए स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को गति दी गई। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और फार्मा क्षेत्र में विनिर्माण और निर्यात के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प अब आर्थिक नीति का प्रमुख आधार बन चुका है। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में भी पिछले 12 वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, लखपति दीदी अभियान, मातृत्व सहायता योजनाओं और महिला-स्वामित्व वाले आवासों ने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। यही कारण है कि भारत की विकास यात्रा अब 'विमेन लेड डेवलपमेंट' के नए मॉडल की ओर बढ़ रही है। कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार, उन्नत बीजों की उपलब्धता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसी पहलों ने किसानों को नई शक्ति प्रदान की है। ग्रामीण भारत में सड़क, बिजली, इंटरनेट और बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार ने गांवों की तस्वीर बदल दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर भी प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व निर्णायक और प्रभावी सिद्ध हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक तथा आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति ने विश्व को भारत की नई सामरिक क्षमता का परिचय कराया है। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना, जीएसटी का क्रियान्वयन, वन रैंक वन पेंशन और न्यायिक सुधारों से जुड़े नए कानून ऐसे निर्णय हैं, जिन्होंने शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है।

> "कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार, उन्नत बीजों की उपलब्धता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसी पहलों ने किसानों को नई शक्ति प्रदान की है। ग्रामीण भारत में सड़क, बिजली, इंटरनेट और बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार ने गांवों की तस्वीर बदल दी है।"

राजस्थान को भी केंद्र सरकार की योजनाओं का व्यापक लाभ मिला है। प्रदेश में लगभग 2 करोड़ 45 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 34 लाख से अधिक आवास बनाए जा चुके हैं। जल जीवन मिशन के माध्यम से 63 लाख से अधिक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जबकि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लगभग 89 लाख शौचालयों का निर्माण हुआ है। प्रदेश के 43 हजार से अधिक गांव ओडीएफ प्लस घोषित हो चुके हैं। जनधन योजना के अंतर्गत 3 करोड़ 83 लाख से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क नेटवर्क 53 हजार किलोमीटर से बढ़कर 86 हजार किलोमीटर से अधिक हो गया है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लेने वालों की संख्या 57 लाख से बढ़कर 89 लाख से अधिक हो गई है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय लगभग 69 हजार रुपए से बढ़कर 2 लाख रुपए से अधिक पहुंच चुकी है। इन उपलब्धियों को नई गति देने का कार्य मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की डबल इंजन सरकार कर रही है।

'राइजिंग राजस्थान' पहल के माध्यम से लाखों करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह प्रदेश को औद्योगिक और आर्थिक विकास का नया केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जल सुरक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी पहलों में से एक राम जल सेतु लिंक परियोजना है। पूर्व में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी-ईआरसीपी) परियोजना के नाम से जानी जाने वाली इस योजना का विस्तारित स्वरूप लगभग 90 हजार करोड़ रुपए की लागत का माना जा रहा है। परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को दीर्घकालिक पेयजल, सिंचाई एवं औद्योगिक उपयोग के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत कोटा और बूंदी के बीच चंबल नदी पर लगभग 2,280 मीटर लंबा चंबल जलसेतु निर्मित किया जा रहा है। इसी प्रकार यमुना जल समझौते के तहत राजस्थान को प्रतिवर्ष लगभग 1,917 एमसीएफटी अतिरिक्त जल उपलब्ध होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे झुंझुनूं, सीकर, चूरू और आसपास के क्षेत्रों के दीर्घकालिक पेयजल संकट के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याण शिविर, ग्राम विकास यात्राएं, ग्राम विकास चौपाल, संध्या चौपाल तथा संध्या आरती जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार सीधे जनता से संवाद स्थापित कर रही है। इससे योजनाओं की पहुंच और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल से प्रेरित 'हरियालो राजस्थान' अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जन-आंदोलन का स्वरूप ले रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष केवल भारत के पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिष्ठा की गाथा हैं। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन सरकार इन राष्ट्रीय उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाते हुए विकास की नई इबारत लिख रही है। यह समन्वित विकास मॉडल न केवल राजस्थान, बल्कि पूरे देश के लिए सुशासन और जनकल्याण का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

तृणमूल कांग्रेस विवाद: बागी गुट को लेकर सियासी हमले जारी

मान्यता के मामले में फैसला देने से पहले बिरला दोनों पक्षों को सुनेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस में बागी गुट को लेकर सियासी हमले जारी है। इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग हुए सांसदों के समूह को मान्यता देने के मुद्दे पर फैसला करने से पहले उसका और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट, दोनों का पक्ष सुनेंगे।

सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बिरला जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करेंगे। जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसदों के गुट को लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय की ओर से ईमेल भेजा गया है। इस ईमेल के जरिए सांसदों को मुलाकात के लिए बुलाया गया है।

टीएमसी सूत्रों का कहना है कि अभिषेक बनर्जी को बीते सोमवार को दिन में करीब दो बजे लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय से एक ईमेल आया, जिसमें कहा गया था कि वह दो घंटे बाद चार बजे बिरला से मुलाकात करें। इसके तत्काल बाद

लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय ने टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद को फोन किया और इस ईमेल के बारे में बताया। सूत्रों के मुताबिक, इसके जवाब में आजाद ने लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय को बताया कि कोलकाता के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी कार्यालय में जांच में सहयोग कर रहे हैं। बाद में आजाद ने लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर उन्हें इस ईमेल के बारे में जानकारी दी।

ममता ने भवानीपुर सीट के नतीजे को दी HC में चुनौती

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को भवानीपुर सीट पर विधानसभा चुनाव परिणाम को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट के समक्ष चुनाव याचिका दायर की। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को इस सीट पर 15,105 वोट से हराया है। टीएमसी सूत्रों ने कहा कि बनर्जी परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका की पुष्टि करने के लिए उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री गईं।

कुणाल घोष पर अंडे फेंकने के दो आरोपी गिरफ्तार

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के स्थानीय आवास के बाहर पार्टी विधायक कुणाल घोष पर कथित रूप से अंडे फेंके जाने को लेकर मंगलवार सुबह दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि घोष ने सोमवार शाम शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर चंदन सिंह और रवि कोयल को गिरफ्तार किया गया।

पार्टी छोड़ने वाले 'गद्दारों का समूह': रॉय

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत रॉय ने पार्टी से अलग हुए गुट को मंगलवार को "गद्दारों का समूह" करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी से अलग हुए सांसद भाजपानीत राजग के इशारे पर काम कर रहे हैं। रॉय ने कहा, दो टीम हैं, एक तृणमूल की टीम और दूसरी गद्दारों की टीम। तृणमूल कांग्रेस का नेतृत्व ममता बनर्जी कर रही हैं, पार्टी का चुनाव चिह्न 'दो फूल' है और पार्टी विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि "गद्दारों की टीम" राजग के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में करीब 41 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि उनके अनुसार भाजपा ने केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के प्रयास किए थे।

राजौरी में बारूदी सुरंग विस्फोट में चार जवान घायल

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास मंगलवार को दुर्घटनावश हुए एक धमाके में जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) समेत सेना के चार जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि नौशेरा सेक्टर के अग्रिम कलाल इलाके में सेना के जवानों की क्षेत्र नियंत्रण गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग के अचानक सक्रिय हो जाने से यह धमाका हुआ। घायल सैनिकों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

सीजेपी चुनाव लड़ने की इच्छुक नहीं: दीपके

नागपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी चुनाव लड़ने की इच्छुक नहीं है। दीपके ने नीट-यूजी विवाद के बाद देश के विद्यार्थियों से संवाद न करने को लेकर पीएम मोदी की आलोचना भी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर यहां सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन से पहले दीपके ने यहां प्रेसवार्ता में कहा, हम चुनाव क्यों लड़ें? मेरा मतलब है, अगर देश में हर किसी को अपने अधिकारों की मांग के लिए चुनाव लड़ना पड़े... तो यह कैसे चलेगा?

लोकसभा अध्यक्ष ने किया विकसित भारत युवा संसद का उद्घाटन

विकसित भारत के सपने को पूरा करने का जिम्मा युवाओं पर: बिरला

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने का दायित्व युवाओं पर है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी नवाचारी क्षमताओं और सेवा भावना को देश को अभूतपूर्व वैश्विक ऊंचाइयों की ओर ले जाने में लगाएं।

बिरला यहां संविधान सदन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में विकसित भारत युवा संसद 2026 का उद्घाटन कर रहे थे। यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) के सहयोग से आयोजित किया गया। देश भर से आए युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बिरला ने युवाओं से आग्रह किया कि वे इस ऐतिहासिक स्थल से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में काम करें। भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की व्यापक भागीदारी को रेखांकित करते हुए बिरला ने बताया कि अब 50 लाख से अधिक युवा सक्रिय रूप से युवा संसद कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं। यहां विभिन्न राज्यों, भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाले युवा मौजूद हैं और सभी विकसित भारत के सपने को साकार करने के एक साझा संकल्प से जुड़े हैं। उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम लोकतांत्रिक मूल्यों, संवाद और नए नेतृत्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिरला ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था बाहर से ली गई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह प्राचीन सभाओं और समितियों से विकसित हुई है, जिसने 75 वर्षों से निरंतर मजबूत होती जन भागीदारी और ठोस संस्थागत विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

नई दिल्ली में 'विकसित भारत युवा संसद' (VBYP) 2026 कार्यक्रम के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए।

युवा नवाचार के मूल शक्ति स्रोत

बिरला ने भारत के युवाओं को राष्ट्र में नवाचार का मूल प्रेरक शक्ति-स्रोत बताते हुए कहा कि भावी पीढ़ी में देश में बदलाव के लिए आवश्यक अद्वितीय ऊर्जा और "नया संकल्प" मौजूद है। उन्होंने वैश्विक और घरेलू स्तर पर नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की तेजी से बढ़ती भागीदारी पर विशेष जोर दिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर कृषि और राष्ट्रीय सुरक्षा तक, हर क्षेत्र में महिलाएं पारंपरिक बंधनों को तोड़कर सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक और आर्थिक भागीदारी में होने वाली यह समावेशी वृद्धि हमारे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संविधान निर्माताओं को सराहा

बिरला ने भारतीय संविधान के दूरदर्शी निर्माताओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गणतंत्र की स्थापना के समय से ही सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान में समाज के हर वर्ग के लिए समानता, न्याय और समान अवसर के सिद्धांतों को शामिल किया गया है। उन्होंने विशेष रूप से भारत द्वारा वयस्क मताधिकार को तुरंत अपनाए जाने को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि कई अन्य देशों, जहां महिलाओं को मताधिकार बहुत बाद में मिला, के विपरीत भारत ने शुरुआत से ही पूर्ण समानता के सिद्धांत को लागू किया।

जवाबदेही में निहित है सच्चा नेतृत्व

बिरला ने याद दिलाया कि सच्चा नेतृत्व सहानुभूति और उन नागरिकों के प्रति पूर्ण जवाबदेही में निहित है जिनका वे प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संविधान सदन के पवित्र भवन के भीतर युवा नेताओं की यह सभा अगली पीढ़ी के मन में लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की एक सशक्त भावना प्रज्वलित करेगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के प्रतिनिधत्व के लिए अहम

बिरला ने भारत में जमीनी स्तर के शासन में हो रही मूक क्रांति की सराहना करते हुए बताया कि कई राज्यों में स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक रूप से 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बिरला ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम उच्चतम विधायी स्तरों पर भी इसी प्रकार की सफलता प्राप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

ये भी थे मौजूद: इस अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया, लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और युवा मामले और खेल मंत्रालय की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल उपस्थित थे।

भर्ती परीक्षाएं: CIC का UPSC को निर्देश

सफल अभ्यर्थियों के अंक और मेधा सूची करें सार्वजनिक

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भर्ती परीक्षाओं में चयनित उम्मीदवारों की श्रेणी-वार मेधा सूची, अंक और नाम सक्रिय रूप से सार्वजनिक करने की सलाह दी है। आयोग का कहना है कि नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय सूचना आयोग ने ये निर्देश एक अभ्यर्थी की अपील पर जारी किए। अभ्यर्थी ने दिल्ली सरकार के योजना विभाग में उप निदेशक (योजना/सांख्यिकी) के पद के लिए हुए साक्षात्कार में उसे मिले अंक और प्रतीक्षा सूची की जानकारी मांगी थी।

सूचना आयुक्त जया वर्मा सिन्हा ने अपील पर दिए अपने फैसले में कहा कि नियुक्ति/भर्ती के मामले में पारदर्शिता की ज्यादा आवश्यकता है और सूचना के अधिकार के तहत संघ लोक सेवा आयोग को सलाह दी जाती है कि वह भर्ती प्रक्रिया के सभी चरणों से जुड़ी जरूरी जानकारी सार्वजनिक करे।

सीआईसी ने सिफारिश की है कि यूपीएससी अपनी वेबसाइट पर चयनित उम्मीदवारों के नाम, श्रेणीवार मेधा सूची (जिसमें सबसे पहले अनारक्षित श्रेणी और उसके बाद सभी आरक्षित श्रेणी एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग के अभ्यर्थियों के नाम और उनके अंक हों) और मौजूदा या बैकलॉग भर्ती के आधार पर पदों को भरने का क्रम सार्वजनिक करे, ताकि नागरिकों को जानकारी पाने के लिए आरटीआई अधिनियम का कम से कम सहारा लेना पड़े।

गलत जवाब देने पर यूपीएससी की खिंचाई

सीआईसी ने आरटीआई के तहत किए गए आवेदन के गलत जवाब के लिए यूपीएससी की खिंचाई की। शुरुआत में अपील करने वाले को उसके साक्षात्कार में मिले अंक की जानकारी देने से इनकार दिया गया था, क्योंकि अधिकारियों ने गलती से उसके अनुरोध को एक ऐसे दूसरे अभ्यर्थी से जोड़ दिया था, जो किसी लंबित कानूनी मामले में शामिल था।

तमिलनाडु: 75,000 तक के सहकारी फसल ऋण माफ

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने किसानों के 75,000 रुपए तक के फसल ऋण की पूर्ण माफी की घोषणा मंगलवार को की। इससे राज्य के 14.43 लाख किसानों को लाभ होगा और राज्य सरकार पर 5,932 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय आएगा। सचिवालय में मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन किसानों ने 75,000 रुपए से अधिक का ऋण लिया है, उन्हें 35,000 रुपए तक की माफी दी जाएगी।

झारखंड में राज्यसभा चुनाव: दो सीटों के लिए 3 उम्मीदवार

होटल में शिफ्ट हुए राजग MLA

एजेंसी | रांची

झारखंड में राज्यसभा की 2 सीटों के लिए 18 जून को मतदान से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। क्रॉस वोटिंग की आशंका के बीच एनडीए ने सतर्कता बरतते हुए अपने सभी विधायकों को होटल में शिफ्ट करने का फैसला किया है। विधायक होटल पहुंच रहे हैं। ज्ञात रहे कि राज्य की दो राज्यसभा सीटों के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा उम्मीदवार बैद्यनाथ राम, कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवानी चुनाव लड़ रहे हैं।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वे (राजग विधायक) 18 जून को चुनाव की रणनीति बनाने के लिए बैठक करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या विधायक दो दिनों तक होटल में ही रहेंगे, मरांडी ने कहा, हम बैठक करेंगे। मरांडी ने राज्य की दो राज्यसभा सीटों में से एक पर भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की जीत पर विश्वास जताया। विजयी होने के लिए एक उम्मीदवार को प्रथम-वरीयता वाले न्यूनतम 28 वोट प्राप्त करना आवश्यक है। सत्तारूढ़ पार्टी के एक विधायक ने कहा कि नाथवानी के पास राज्य विधानसभा में जीत के लिए जरूरी पर्याप्त संख्या बल नहीं है, जब तक कि क्रॉस वोटिंग न हो। ज्ञात रहे कि झारखंड विधानसभा में 'इंडिया' गठबंधन के 56 सदस्य हैं और राजग के कुल 24 विधायक हैं।

रांची में मंगलवार को बीजेपी विधायक शत्रुघ्न महतो एक होटल पहुंचे।

अभिषेक बनर्जी से सीआईडी की पूछताछ जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ बयान देने के मामले में तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी से मंगलवार को सीआईडी की पूछताछ जारी है। बनर्जी दोपहर से पहले कोलकाता स्थित सीआईडी मुख्यालय 'भवानी भवन' पहुंचे। इससे पहले विधायकों के जाली हस्ताक्षर मामले में रविवार को अपराध अन्वेषण विभाग ने और शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव से लंबी पूछताछ की थी।

NEET प्रश्न पत्र एयरलिफ्ट करने के लिए ट्रायल

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में मंगलवार को NEET-UG की दोबारा परीक्षा से पहले वायु सेना के Mi-17 हेलीकॉप्टर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीलबंद प्रश्न पत्रों को एयरलिफ्ट करने की तैयारियों के तहत ट्रायल रन में हिस्सा लिया। परीक्षा 21 जून को होगी।

अल नीनो की आशंका: कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की तैयारियां की समीक्षा, कहा-

बारिश की कमी वाले राज्य जिला-स्तरीय योजनाएं बनाएं

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मौसमी स्थिति 'अल नीनो' से अधिक प्रभावित होने की आशंका वाले नौ-दस राज्यों में जिला प्रशासन, कृषि विभागों, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और अन्य विस्तार एजेंसियों के साथ समन्वित बैठकें करने के निर्देश दिए। चौहान ने खरीफ फसल सत्र 2026 की तैयारियों को लेकर साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान बारिश की कमी वाले जिलों के लिए अग्रिम आकस्मिक योजना तैयार करने पर जोर दिया और कपास एवं दलहन का रकबा बढ़ाने की जरूरत बताई। कृषि मंत्रालय के बयान के अनुसार, चौहान ने राज्यों को संवेदनशील जिलों की स्पष्ट पहचान कर फसल के हिसाब से वैकल्पिक योजनाएं पहले से तैयार रखने को कहा, ताकि मौसम संबंधी चुनौतियों की स्थिति में किसानों को तुरंत विकल्प, सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जा सके। चौहान ने कहा कि हर संवेदनशील जिले के लिए अलग और व्यावहारिक रणनीति तैयार की जानी चाहिए, जिसमें जल संरक्षण, नमी प्रबंधन, मिश्रित फसल और वैकल्पिक फसल के तरीके पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों तक 'वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित शांत, विश्वसनीय और समाधान-उन्मुख संदेश' पहुंचाने की है, न कि डर पैदा करने वाली सूचनाएं।

बुवाई की तैयारियों की समीक्षा

बैठक में अलग-अलग फसलों के लिए लक्ष्य, बुवाई की प्रगति और राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई, जिसमें कपास उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर रहा। चौहान ने उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों, उपयुक्त बीज चयन, मिश्रित फसल, मल्चिंग (मिट्टी में नमी बनाए रखने की तकनीक) और नमी संरक्षण को बढ़ावा देने की बात कही। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन भी इस बैठक में चर्चा का प्रमुख मुद्दा रहा।

क्यों है चिंता

अल नीनो भारतीय उपमहाद्वीप में दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमज़ोर कर देता है। इसके प्रभाव से भारत में बारिश कम हो सकती है, जिससे सूखे जैसे हालात और फसलों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या है अल नीनो

अल नीनो एक प्राकृतिक और विशाल जलवायुविक घटना है। इसमें भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के असामान्य रूप से गर्म होने की स्थिति है, जिसका असर दुनिया के मौसम और भारत के मानसून पर पड़ता है।

उर्वरकों की आपूर्ति पर्याप्त

कृषि मंत्री ने आश्वस्त किया कि राष्ट्रीय स्तर पर उर्वरकों की आपूर्ति पर्याप्त है और मानसून की प्रगति के साथ राज्यों एवं जिलों तक इसे और सुचारू बनाया जाएगा। स्थानीय किल्लत की आशंका वाले क्षेत्रों में उर्वरक की अग्रिम आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने खरीफ सत्र 2026 को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर संवाद, नियमित समीक्षा और जमीनी स्तर से सुझाव लेने पर भी जोर दिया।

'डिजिटल अरेस्ट' गिरोह का भंडाफोड़

पाकिस्तान से जुड़े थे तार, 3 लोगों को किया अरेस्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कथित रूप से पाकिस्तान से जुड़े 'डिजिटल अरेस्ट' गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी धोखाधड़ी से हासिल पैसे को 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) बैंक खातों और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए इधर-उधर करने में कथित रूप से मदद करते थे। आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के कन्नौज के रहने वाले अंकित (23), कानपुर के सैफ अंसारी (34) और दिल्ली के 24 साल के मोहम्मद नूर आलम के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि उनके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और धोखाधड़ी से जुड़े 1,03,142 रुपये 'फ्रीज' कर दिए गए हैं। पूछताछ के दौरान, नूर आलम ने कथित तौर पर खुलासा किया कि उसने साइबर जालसाजों के लिए बैंक खातों की व्यवस्था की और वह पाकिस्तान में बैठे बिलाल नामक व्यक्ति के साथ नियमित संपर्क में था। पुलिस ने बताया कि ठगी से हासिल पैसे को पहले उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों में लाया जाता था और फिर इसे यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी में बदल कर विदेशी में बैठे आकाओं को भेज दिया जाता था। उसे क्रिप्टोकरेंसी में कथित तौर पर कमीशन मिलता था जिसे बाद में विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से निकाल लिया जाता था।

जिनेवा में स्वागत

स्विट्जरलैंड के जिनेवा एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत स्विस फेडरल प्रेसिडेंट गाइ परमेलिन और उनकी पत्नी कैरोलीन मेरोटो ने किया।

फिर पहुंचे फ्रांस

फ्रांस के एवियन में G7 समिट के लिए पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते फ्रांसीसी नेता।

स्लोवाकिया में तोहफे भेंट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी स्लोवाकिया में एक-दूसरे को तोहफे देते हुए।

तकनीकी खराबी के बाद जेद्दा जा रही उड़ान कन्नूर लौटी

कन्नूर। केरलम के कन्नूर से सऊदी अरब के जेद्दा जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण वापस कन्नूर लौट आई। विमान सुबह 7:40 बजे 180 से अधिक यात्रियों को लेकर रवाना हुआ था। उड़ान के लगभग दो घंटे बाद पायलटों को इंजन संबंधी चेतावनी संकेत मिला, जिसके बाद विमान को वापस लाने का निर्णय लिया गया। विमान को सुरक्षित रूप से कन्नूर हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

इंडोनेशिया में 6.7 तीव्रता का भूकंप, बाहर निकले लोग

पालू। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मंगलवार को 6.7 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे कई जगहों पर नुकसान हुआ और शहर के लोग सड़कों पर निकल आए। सुलावेसी द्वीप का पालू शहर आठ साल पहले आए भूकंप और सुनामी से तबाह हो गया था। सेंट्रल सुलावेसी प्रांत की राजधानी पालू में और उसके आस-पास के इलाके में रहने वाले लोगों को तेज कंपन महसूस हुआ। पालू में चार लाख लोग रहते हैं।

अमेरिकी बमवर्षक दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोगों की मौत

लॉस एंजिलिस। दक्षिणी कैलिफोर्निया के मोजावे रेगिस्तान में स्थित अमेरिकी वायु सेना के एक अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक बी-52 बमवर्षक विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की लपटों में घिर गया, जिससे विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा पूर्वाह्न लगभग 11:20 बजे लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स वायु सेना अड्डे में हुआ।

जी-7 बैठक: पीएम मोदी ने की कई विश्व के नेताओं से मुलाकात

कनाडा के पीएम के साथ मजबूत साझेदारी के तरीकों पर मंत्रणा

एजेंसी | एवियॉन (फ्रांस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वी फ्रांस के एवियॉन में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर कई देशों के नेताओं से मुलकात की और द्विपक्षीय मसलों पर चर्चा की, जिसमें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी शामिल हैं। पीएम मोदी ने कार्नी से मुलाकात के दौरान व्यापार, ऊर्जा, नवोन्मेष, शिक्षा एवं लोगों के बीच परस्पर आदान-प्रदान के जरिए एक मजबूत साझेदारी बनाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग में हुई शानदार प्रगति की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में G-7 समिट के दौरान अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ चर्चा करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में G-7 समिट के दौरान अपने ब्रिटिश समकक्ष केअर स्टार्मर के साथ।

दौड़कर आए ब्रिटिश पीएम और मोदी को लगाया गले

जी-7 सम्मेलन के दौरान एक दिलचस्प वाकया देखने को मिला। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गले लगाने के लिए दौड़कर आए। यह घटना जी-7 नेताओं के ग्रुप फोटो सेशन के दौरान हुई, जहां पीएम मोदी दूसरे विश्व नेताओं के साथ खड़े थे। पीएम मोदी और स्टार्मर की मुलाकात का वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट यूजर्स ने इसे भारत और ब्रिटेन के मजबूत रिश्ते की एक झलक बताया है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में व्यापक सुधारों पर जोर

स्लोवाकिया का सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता को समर्थन

एजेंसी | ब्रातिस्लावा

स्लोवाकिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार किए जाने और इसमें भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच सोमवार को हुई बातचीत के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में व्यापक सुधार किए जाने चाहिए ताकि वे अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी और मौजूदा भूराजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप बन सकें। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में किया जाना अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार भारत ने सुरक्षा परिषद में सुधार व विस्तार और उसमें भारत को स्थायी सदस्य बनाने संबंधी स्लोवाकिया के लगातार समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको ने संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखते हुए बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मंचों पर आपसी समन्वय के साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की।

एनएसजी समूह की सदस्यता का किया समर्थन

स्लोवाकिया ने भारत की परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) की सदस्यता के प्रति भी अपने समर्थन को दोहराया। एनएसजी 48 देशों का एक बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण समूह है, जिसका उद्देश्य परमाणु सामग्री और प्रौद्योगिकी के सुरक्षित व जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करना है।

छह राज्यों में बनी सहमति

किशाऊ बांध परियोजना से राजस्थान को मिलेगा पानी

एजेंसी | नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंगलवार को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें वर्षों से लंबित 'किशाऊ बहु-उद्देशीय बांध परियोजना' पर संबंधित राज्यों में सहमति बनी। गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हुई बैठक में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान "किशाऊ बहु-उद्देशीय परियोजना" के क्रियान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) के लिए सहमत हुए। इसके बाद किशाऊ परियोजना को अनुमोदन के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। किशाऊ बहु-उद्देशीय बांध परियोजना के संबंध में जल घटक के कार्य का 90 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता के रूप में केंद्र सरकार द्वारा और शेष 10 प्रतिशत राशि का वित्तीय भार 6 राज्यों द्वारा वहन किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश के विद्युत घटक के हिस्से की लागत को साझा करने के एवज में हिमाचल प्रदेश के लिए आवंटित पानी को दिल्ली और राजस्थान को देने पर सहमति बनी। यह निर्णय स्वच्छ और निर्मल यमुना की दिशा में एक अहम् पड़ाव सिद्ध होगा, जिससे यमुना में शुद्ध जल का प्रवाह बढ़ेगा।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में एआई में बी.टेक. पाठ्यक्रम शुरू

बेधड़क | नई दिल्ली

भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृत एवं भारतीय भाषाओं को आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डेटा विज्ञान के साथ जोड़ते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने एक ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस में बी.टेक. (संस्कृत और भारतीय भाषाओं से जुड़ी विशेषज्ञता) कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। यह पाठ्यक्रम नासिक स्थित पंचवटी परिसर में शुरू होगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने डिजिटल माध्यम से नई दिल्ली

सारस्वत सभागार से किया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के साथ भारतीय बौद्धिक विरासत से भी जोड़ेगा। नासिक परिसर के निदेशक प्रो. नीलाभ तिवारी ने इसको विवि की दूरदर्शी पहल बताया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वी. एम. आर. शास्त्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शांति समझौते पर हस्ताक्षर शुक्रवार को, वेंस करेंगे अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

शांति समझौता संसद को भेजने के लिए तैयार: ट्रंप

यह भी बोले ट्रंप: मैं समारोह में शामिल हो भी सकता हूं और नहीं भी

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान से जुड़े शांति समझौते को समीक्षा के लिए अमेरिकी संसद को भेजने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में ईरान के साथ होने वाले शांति समझौते पर हस्ताक्षर कार्यक्रम में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। ट्रंप ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर कहा, मुझे यह विचार पसंद आया, इसे कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के पास भेजा जाए।

उन्होंने कहा, मेरा मतलब है, इसे कौन मंजूर नहीं करेगा? ज्ञात रहे कि अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन चाहते हैं कि ट्रंप इस समझौते के बारे में और जानकारी दें। कुछ लोगों को संशय है कि क्या यह समझौता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोक पाएगा। ट्रंप ने फ्रांस में मीडिया से बातचीत के दौरान समारोह में उनकी उपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, मैं शामिल हो भी सकता हूं और नहीं भी। समझौते का पूरा ब्योरा 'जल्द ही... शुक्रवार के बाद किसी समय' सार्वजनिक किया जाएगा।

होर्मुज के कल तक पूरी तरह खुलने की उम्मीद: 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य शुक्रवार तक पूरी तरह खोल दिए जाने की उम्मीद है।

इजराइल को लेबनान से हटना होगा: ईरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने वाले समझौते के तहत इजराइल को भी लेबनान से हटना होगा। वहीं, इजराइल द्वारा लेबनान में अपनी सेना बनाए रखने पर जोर देने के बीच, अप्रकाशित समझौते को लेकर अब भी सवाल उठ रहे हैं और इसकी शर्तों पर असहमति से संघर्ष के जारी रहने की आशंका जताई जा रही है। अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बातचीत के दौरान कहा, लेबनान में युद्ध का खत्म होना, पूरे युद्ध के खत्म होने का एक अहम हिस्सा है।

ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे: नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल में अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर बढ़ती नाराजगी के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने कदमों का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को समझौते के साथ या उसके बिना भी परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे। नेतन्याहू ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, लोग मुझसे पूछते हैं कि हमने क्या हासिल किया है? मेरा जवाब है कि हमने हमने इजराइल राष्ट्र को पूर्ण विनाश के खतरे से बचाया है।

लेबनान से सेना हटाने की संभावना से इनकार: नेतन्याहू ने दक्षिणी लेबनान से सेना हटाने की संभावना को भी खारिज कर दिया। नेतन्याहू ने कहा, हमने इजराइल के चारों ओर गहरे सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किए हैं। हमने यह गाजा, लेबनान और सीरिया में किया है, जहां हमने असद की सेना के सभी हथियारों को नष्ट कर दिया।

परिवारवाद की पार्टियों में बूढ़े होते शहजादे, भाजपा में युवाओं के बुलंद हो रहे इरादे!

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का नया सांगठनिक रोडमैप तैयार, युवा चेहरों को मिलेगी बड़ी कमान!

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी के भीतर एक बड़े सांगठनिक बदलाव की सुगबुगाहट दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर जोरों पर रही। खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी की हरी झंडी के बाद संगठन में बड़े पैमाने पर युवाओं और जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को आगे लाया जा रहा है। राजनीतिक प्रेक्षक कह रहे हैं कि जहां विपक्षी दल अपने 'शहजादों' को लॉन्च करने में ही बूढ़े हो रहे हैं, वहीं भाजपा एक जीवंत लोकतांत्रिक संगठन की तरह नए नेतृत्व को निखार रही है। अलबत्ता इस बदलाव से पार्टी के कुछ पुराने दिग्गजों के कान जरूर खड़े हो गए हैं, लेकिन 'नेशन फर्स्ट' के मोदी मंत्र के आगे सब एक सुर में हैं। अब विपक्ष के सामने यह प्रश्न है कि वे भाजपा की इस चौबीस घंटे सक्रिय रहने वाली चुनावी और सांगठनिक मशीनरी का मुकाबला अपने थके हुए चेहरों से कैसे करेंगे?

ट्रंप की 'ईरान डील' पर वॉशिंगटन में महा-संग्राम: सीआईए के इनपुट ने उड़ाए होश!

सीआईए के जासूसों के इनपुट से हिली ट्रंप की टीम, विदेश और रक्षा मंत्री ने उठाए गंभीर सवाल!

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ही टीम के चक्रव्यूह में घिर गए हैं। अमेरिकी वेबसाइट 'एक्सियोस' के हवाले से आई खबर ने लुटियंस दिल्ली के उन विचारकों को चौंका दिया है, जो कल तक ट्रंप की विदेश नीति को अचूक मान रहे थे। खबर है कि सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ को तेहरान से कुछ ऐसे खुफिया इनपुट मिले हैं जिसने अमेरिकी प्रशासन की नींद उड़ा दी है। सीआईए ने साफ कह दिया है कि ईरान की परमाणु मामलों में रियायतें देने की मंशा पर उसे कतई यकीन नहीं है और अमेरिका को फिर से धोखा मिल सकता है। यह ट्रंप के लिए एक बड़ा 'होमग्राउंड' झटका है, क्योंकि वे खुद अतीत में बराक ओबामा की 2015 वाली ईरान डील को कोसते रहे हैं और आज खुद उसी मुकाम पर खड़े हैं! ट्रंप की कोर टीम अब दो हिस्सों में पूरी तरह टूट चुकी है। ट्रंप के दो सबसे भरोसेमंद लेफ्टिनेंट विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ इस डील का खुलकर विरोध कर रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि यह अमेरिका के हित में कैसे हो सकती है? अलबत्ता उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे नाम अब भी ट्रंप के बचाव में बैटिंग कर रहे हैं!

प्रियांक खरगे ने भेजा था 'लव लेटर' चर्चा में आने को, भागवत ने बिना पढ़े ही समेट दिया पूरी 'दुकान' को!

मोहन भागवत की 'पावर हिटिंग' से चित हुआ कांग्रेस का कागजी दांव!

दिल्ली के सियासी गलियारों से लेकर राज्यों की राजधानियों तक मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के एक बयान ने कांग्रेस खेमे में वैचारिक खलबली मचा दी है। दरअसल कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने संघ के रजिस्ट्रेशन को लेकर एक 'कागजी दांव' खेला था, जिस पर भागवत ने आज जो 'नो-कम्युनिकेशन' शॉट खेला है, उसकी गूंज दूर तक सुनाई दे रही है। भागवत ने दो टूक कह दिया कि वे इस पत्र का कोई जवाब नहीं देंगे। राजनीतिक प्रेक्षक इसे संघ प्रमुख की अब तक की सबसे सीधी और आक्रामक 'पावर हिटिंग' मान रहे हैं, जिसने कांग्रेस के नैरेटिव को तार-तार कर दिया है! भागवत ने तंज कसते हुए साफ कहा कि कई चीजें रजिस्टर्ड नहीं होतीं, यहां तक कि हमारा सनातन हिंदू धर्म भी रजिस्टर्ड नहीं है! उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि हम ऐसी हरकतों के आदी हो चुके हैं, ये न हों तो लगता है कुछ गड़बड़ है! कांग्रेस के रणनीतिकारों के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह खड़ा हो गया है कि वे 'कागज दिखाने' की इस उलटी पड़ी राजनीति से अपना पीछा कैसे छुड़ाएं !

टीएमसी की हालत 'जलते आलू' जैसी: कोई हाथ लगाने को तैयार नहीं!

बगावत के बाद गुमनामी का सहारा!

लुटियंस दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा सबसे टॉप पर रही कि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की हालत इस समय सचमुच एक 'जलते हुए गर्म आलू' जैसी हो गई है, जिसे कोई भी अपने हाथ में थामने को तैयार नहीं है। भारतीय राजनीति के इतिहास में यह शायद पहला ऐसा अनोखा मौका है, जब कोई पार्टी इतने बड़े पैमाने पर तार-तार हो गई, लेकिन किसी भी बागी ने यह दावा नहीं किया कि 'हम ही असली टीएमसी हैं'। पश्चिम बंगाल के बागी विधायकों ने अलग गुट तो बना लिया, लेकिन बदनामी के डर से वे भी खुद को असली तृणमूल कहने से बच रहे हैं। राजनीतिक प्रेक्षक इस बात पर हैरान हैं कि संसद में बगावत करने वाले 20 सांसदों ने अपनी पहचान छुपाने के लिए त्रिपुरा की एक गुमनाम सी पार्टी 'नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया' का दामन थाम लिया, जिसे दिल्ली में कल तक कोई जानता भी नहीं था! टीएमसी के कुशासन और घोटालों को लेकर इतनी भारी नाराजगी है कि बागी भी अब पुराना नाम लेकर जनता के बीच जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं! वैसे बाबू मोशाय कोलकाता की राजनीति भी गजबे ही है!

संकलन: संदीप मिश्रा

खेल हलचल

विश्व कप में पहली हार के बाद ट्यूनीशिया ने बदला कोच, हर्वे रेनार्ड को सौंपी कमान

मोंटेरी (मैक्सिको)। फीफा विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद ट्यूनीशिया फुटबॉल महासंघ ने बड़ा फैसला लेते हुए मुख्य कोच साबरी लामूची को पद से हटा दिया है।

स्वीडन के खिलाफ पहले मुकाबले में 1-5 की करारी हार के बाद यह कार्रवाई की गई। महासंघ ने उनकी जगह अनुभवी फ्रांसीसी कोच हर्वे रेनार्ड को टीम की कमान सौंप दी है। 54 वर्षीय साबरी लामूची को इसी वर्ष जनवरी में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन विश्व कप के पहले ही मैच में मिली बड़ी हार के बाद उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। इस हार से ट्यूनीशिया के लिए अंतिम-32 में पहुंचने की राह कठिन हो गई है। ट्यूनीशिया को अब शनिवार को जापान और 25 जून को नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले खेलने हैं। टीम को अगले दौर की उम्मीदें बनाए रखने के लिए दोनों मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह पहला मौका नहीं है जब विश्व कप के दौरान ट्यूनीशिया ने कोच बदला हो। इससे पहले 1998 विश्व कप में इंग्लैंड और कोलंबिया से हार के बाद कोच हेनरिक कास्परजाक को भी पद से हटा दिया गया था।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय घुड़सवारी टीम की घोषणा, पदक दोहराने की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) की तदर्थ समिति ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय घुड़सवारी टीम की घोषणा कर दी है। टीम का चयन खिलाड़ियों और उनके घोड़ों के प्रदर्शन, अंतरराष्ट्रीय परिणामों तथा एशियाई खेलों की चयन पात्रता को ध्यान में रखकर किया गया है। घुड़सवारी प्रतियोगिता में भारत तीन स्पर्धाओं-ड्रेसेज, तीन दिवसीय इवेंटिंग और शो जंपिंग-में हिस्सा लेगा। ड्रेसेज टीम में श्रुति वोरा, गौरव पुंडीर, जय सूद और हृदय छेदा को शामिल किया गया है। वहीं तीन दिवसीय इवेंटिंग में फवाद मिर्जा, आशीष लिमये, अहान कुमार और अर्जन नागरा भारतीय चुनौती पेश करेंगे। शो जंपिंग वर्ग में मरीक साहनी, अभिषेक चोपड़ा, यशान जुबिन खंबाटा और निहारिका सिंघानिया को जगह मिली है। एशियाई खेल 2022 में टीम स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले अनुश अग्रवाल को इस बार ड्रेसेज वर्ग में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। भारतीय टीम से एक बार फिर एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन और पदक जीतने की उम्मीद की जा रही है।

विंबलडन में दिखेगा विलियम्स बहनों का जलवा, सेरेना-वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड

लंदन। टेनिस जगत की दिग्गज बहनें सेरेना वीनस और वीनस विलियम्स आगामी विंबलडन खिताब के महिला युगल मुकाबलों में एक बार फिर साथ खेलती नजर आएंगी। ऑल इंग्लैंड क्लब ने मंगलवार को दोनों खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड देने की घोषणा की। करीब चार साल बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करने वाली 44 वर्षीय सेरेना और 46 वर्ष की वीनस महिला एकल तथा युगल दोनों में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रह चुकी हैं। विलियम्स बहनों ने साथ मिलकर महिला युगल में 14 ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें छह विंबलडन खिताब शामिल हैं। दोनों ने अपना पहला विंबलडन युगल खिताब वर्ष 2000 में और आखिरी खिताब 2016 में जीता था।

92 साल का इंतजार बढ़ा: लुकाकू के दबाव में हुआ आत्मघाती गोल

मिस्र ने बेल्जियम को जीत से रोका

एजेंसी | अटलांटा

फीफा विश्व कप में मिस्र का पहली जीत का इंतजार अभी खत्म नहीं हुआ, लेकिन टीम ने दुनिया की नौवें नंबर की टीम बेल्जियम को ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर जरूर कर दिया। ग्रुप-जी के मुकाबले में मिस्र ने शानदार खेल दिखाते हुए बढ़त हासिल की, लेकिन अंतिम क्षणों में बेल्जियम ने वापसी कर 1-1 से मुकाबला बराबर कर लिया। मैच के 19वें मिनट में मिडफील्डर इमाम आशूर ने बेल्जियम की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए शानदार गोल दागा। यह उनके अंतरराष्ट्रीय कॅरिअर का पहला गोल था और इसी के साथ मिस्र विश्व कप इतिहास में दूसरी बार किसी मुकाबले में बढ़त बनाने में सफल रहा। दूसरे हाफ में बेल्जियम ने आक्रामक रणनीति अपनाई और स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू को मैदान पर उतारा। लुकाकू के आते ही बेल्जियम का आक्रमण तेज हो गया। उनके दबाव के बीच मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी ने गेंद को अपने ही गोल में पहुंचा दिया, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए, लेकिन कोई भी निर्णायक गोल नहीं कर सका। ड्रॉ के बावजूद मिस्र के प्रदर्शन ने फुटबॉल प्रशंसकों को प्रभावित किया, जबकि बेल्जियम को अपेक्षा के अनुरूप नतीजा नहीं मिल सका।

ईरान ने छीनी न्यूजीलैंड की जीत

लॉस एंजिलिस। ग्रुप-जी के रोमांचक मुकाबले में ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम के साथ न्यूजीलैंड की विश्व कप इतिहास में पहली जीत दर्ज करने की उम्मीद अधूरी रह गई। न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। क्रिस वुड के बेहतरीन पास पर एलिजाह जस्ट ने गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि ईरान ने जल्द ही जवाब दिया और रेजाइयान ने शानदार फिनिश के साथ स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में एक बार फिर एलिजाह जस्ट चमके और वुड के पास पर अपना दूसरा गोल दागकर न्यूजीलैंड को 2-1 से आगे कर दिया। इसके साथ ही वे विश्व कप के एक ही मैच में दो गोल करने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए। लेकिन ईरान ने हार नहीं मानी। रेजाइयान के सटीक क्रॉस पर मोहम्मद मोहेब्बी ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया।

केप वर्डे ने रचा इतिहास

अटलांटा। फीफा विश्व कप में पदार्पण कर रही केप वर्डे ने बड़ा उलटफेर करते हुए 2010 की विश्व चैंपियन स्पेन को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया। वहीं ग्रुप-एच के दूसरे मुकाबले में सऊदी अरब ने दो बार की विश्व विजेता उरुग्वे के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर महत्वपूर्ण अंक हासिल किया। स्पेन ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने 74 प्रतिशत बॉल पोजेशन अपने नाम रखा और 27 शॉट लगाए, लेकिन केप वर्डे की मजबूत रक्षापंक्ति और 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्या के शानदार प्रदर्शन के आगे वह गोल नहीं कर सकी। वोजिन्या ने सात महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी टीम को ऐतिहासिक ड्रॉ दिलाया। दूसरे मुकाबले में उरुग्वे ने आक्रामक खेल दिखाते हुए गोल के लिए 29 प्रयास किए, जिनमें 11 शॉट लक्ष्य पर रहे। लेकिन सऊदी अरब के गोलकीपर मोहम्मद अल-ओवैस ने 10 शानदार बचाव कर मैच का रुख बदल दिया। सऊदी अरब ने सीमित अवसरों का लाभ उठाते हुए मुकाबला 1-1 से बराबर रखा और मजबूत उरुग्वे को अंक बांटने पर मजबूर कर दिया।

नीदरलैंड पर बड़ी जीत की उम्मीद: बल्लेबाजी में और धार तलाशेगा भारत

पाकिस्तान पर शानदार जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

एजेंसी | लीड्स

महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर शानदार जीत के बाद भारतीय टीम बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ अपने दूसरे ग्रुप मुकाबले में उतरेगी। टीम का लक्ष्य लगातार दूसरी जीत दर्ज करने के साथ-साथ बल्लेबाजी में और अधिक मजबूती दिखाना होगा। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत के लिए हर मैच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पहले मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराकर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की थी। इस जीत में स्मृति मंधाना और ऋचा घोष की अहम भूमिका रही। मंधाना ने शीर्ष क्रम में शानदार बल्लेबाजी की, जबकि ऋचा ने निचले क्रम में तेज रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, कप्तान हरमनप्रीत कौर और मध्यक्रम की बल्लेबाज भारती फुलमाली बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। ऐसे में टीम प्रबंधन बल्लेबाजी क्रम से अधिक निरंतरता की उम्मीद करेगा। भारत को ग्रुप चरण में आगे ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों का सामना भी करना है। इसलिए नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबला बल्लेबाजी संयोजन को और मजबूत करने का अच्छा अवसर माना जा रहा है।

भारत के खिलाफ चुनौती होगी कठिन

नीदरलैंड की टीम अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश से हारकर आ रही है। कप्तान बैबेट डी लीडे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। ऐसे में भारत के खिलाफ चुनौती और कठिन होगी। भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होने वाले इस मुकाबले में भारत जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम की कोशिश न सिर्फ जीत दर्ज करने की होगी, बल्कि नेट रन रेट में भी सुधार कर सेमीफाइनल की राह को मजबूत बनाने पर रहेगी।

तलवारबाजी चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

एजेंसी | नई दिल्ली

19 से 24 जून तक आयोजित होने वाली सीनियर एशियाई तलवारबाजी चैम्पियनशिप के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। भारतीय दल में 12 पुरुष और 12 महिला खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें ओलंपियन सीए भवानी देवी सबसे प्रमुख नाम हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 30 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मुकाबले फॉइल, एपी और साबरे वर्ग में आयोजित किए जाएंगे। भवानी देवी ने कहा कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी भारतीय तलवारबाजी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि घरेलू दर्शकों के सामने खेलने से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और देश में इस खेल की लोकप्रियता को भी नई पहचान मिलेगी। महिला वर्ग में फॉइल, एपी और साबरे श्रेणियों में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण रखा गया है। जबकि पुरुष टीम में भी कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मौका मिला है।

बिजनेस बेधड़क

शेयर बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
	76,808.48 (+544.15)	23,989.15 (+135.25)

सर्राफा	सोना शुद्ध	जेवराती सोना	चांदी
	1,53,500 (-200)	1,42,300 (-200)	2,53,500 (-3,500)

जरूरी खबर

बिगबास्केट कंपनी में अमित नंदा नए सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली क्विक कॉमर्स कंपनी बिगबास्केट ने अमेजन इंडिया के पूर्व निदेशक अमित नंदा को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह कंपनी के सह-संस्थापक हरी मेनन का स्थान लेंगे, जबकि मेनन अब सलाहकार की भूमिका में कंपनी का मार्गदर्शन करेंगे। बिगबास्केट ने बताया कि सह-संस्थापक विपुल पारिख और हरी मेनन कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। अमित नंदा के पास ई-कॉमर्स, उपभोक्ता वस्तु और बैंकिंग क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव है। इससे पहले वह अमेज़न इंडिया में निदेशक के पद पर कार्यरत थे। नए सीईओ के रूप में नंदा का फोकस तेजी से बढ़ रहे क्विक कॉमर्स बाजार में बिगबास्केट की स्थिति को और मजबूत करने तथा नवाचार के जरिए कारोबार का विस्तार करने पर रहेगा।

रीको, सीडॉस और लघु उद्योग भारती के बीच हुआ एमओयू

एआई और अत्याधुनिक तकनीक के साथ होगा इंडिया स्टोन मार्ट-2028

एमओयू के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) शिखर अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र, रीको के एमडी सुरेश ओला, लघु उद्योग भारती, इंडिया स्टोन मार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा तथा सीईओ (सीडॉस) मुकुल रस्तोगी व अन्य।

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के स्टोन उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले इंडिया स्टोन मार्ट-2028 की तैयारियां अब औपचारिक रूप से शुरू हो गई हैं। आगामी संस्करण का आयोजन 17 से 20 फरवरी, 2028 तक सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (सिडॉस) और लघु उद्योग भारती के बीच त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग) शिखर अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र सहित उद्योग जगत की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। समझौता पत्र पर रीको की ओर से एमडी सुरेश ओला, लघु उद्योग भारती की ओर से इंडिया स्टोन मार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा तथा सीडॉस की ओर से सीईओ मुकुल रस्तोगी ने हस्ताक्षर किए।

स्टोन मार्ट बनेगा नवाचार का महाकुंभ

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2028 का इंडिया स्टोन मार्ट, 2026 के सफल आयोजन से भी अधिक भव्य, आधुनिक और उद्योग के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि इस बार दुनिया के शीर्ष आर्किटेक्ट्स, डिजाइनर्स और नवाचार विशेषज्ञों को आयोजन से जोड़ा जाए। स्टोन उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), अत्याधुनिक मशीनरी, आधुनिक डिजाइन तकनीकों और स्टार्टअप इनोवेशन को प्रमुख स्थान दिया जाना चाहिए। इसके लिए विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी विकसित की जा सकती है।

स्टोन उद्योग को मिलेगा नया विस्तार

उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि इंडिया स्टोन मार्ट ने राजस्थान के पत्थर उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्थान विश्व में मिनरल रिच स्टेट के रूप में जाना जाता है और राज्य सरकार औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र ने कहा कि राजस्थान में लगभग सभी प्रकार के प्राकृतिक पत्थरों के विशाल भंडार मौजूद हैं। नई तकनीक और नवाचारों को अपनाकर प्रदेश का स्टोन उद्योग व्यापार, निर्यात और राजस्व के नए आयाम स्थापित कर सकता है। इंडिया स्टोन मार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा ने बताया कि आयोजन करीब 30 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में होगा, जिसमें 80 देशों के 500 से अधिक ट्रेड विजिटर्स भाग लेंगे। इनमें 50 से अधिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट वाले देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

तीसरे दिन बाजार में बहार, सेंसेक्स 544 अंक उछला

एजेंसी | मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के दम पर मंगलवार को सेंसेक्स 544 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24 हजार के स्तर के बेहद करीब पहुंच गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 544.15 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,808.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 76,846.74 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 135.25 अंक यानी 0.57 प्रतिशत बढ़कर 23,989.15 अंक पर बंद हुआ। दिन में निफ्टी ने 24,002.60 अंक का स्तर भी छुआ। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स में कुल 2,975.93 अंक यानी करीब 4 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है, जबकि निफ्टी 827.55 अंक या 3.57 प्रतिशत मजबूत हुआ है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार खरीदारी ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सोमवार को FII ने 200.05 करोड़ रुपए के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी।

इनमें उतार-चढ़ाव

सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक सबसे बड़ा लाभार्थी रहा, जिसके शेयर 3.59 प्रतिशत चढ़े। बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टीसीएस और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई। दूसरी ओर इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी और टाटा स्टील के शेयर दबाव में रहे।

निजी कंपनियों की कमाई बढ़ी, उद्योग जगत में रौनक

एजेंसी | मुंबई

भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत देते हुए निजी क्षेत्र की सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 1,817 सूचीबद्ध निजी विनिर्माण कंपनियों की बिक्री में सालाना आधार पर 14.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के 11.4 प्रतिशत के मुकाबले काफी अधिक है। RBI की रिपोर्ट के अनुसार इस वृद्धि में वाहन (ऑटोमोबाइल), इलेक्ट्रिकल मशीनरी और गैर-लौह धातु उद्योगों की सबसे बड़ी भूमिका रही। इन क्षेत्रों में मांग बढ़ने और उत्पादन गतिविधियों में तेजी आने से कंपनियों की बिक्री में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। केंद्रीय बैंक द्वारा जारी आंकड़े 3,266 सूचीबद्ध गैर-सरकारी और गैर-वित्तीय कंपनियों के तिमाही वित्तीय परिणामों के विश्लेषण पर आधारित हैं। सभी सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों की कुल बिक्री जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में 13.9% बढ़ी, जबकि इससे पिछली तिमाही में यह वृद्धि 10.1 प्रतिशत रही थी।

ग्राहकों की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नए निर्देश जारी

बैंक नहीं बेच सकेंगे जबरन स्कीम, RBI ने कसे नियम

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंक ग्राहकों के हितों की रक्षा और बैंकिंग सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों को नए दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि ग्राहकों को किसी भी प्रकार की स्कीम, बीमा पॉलिसी या वित्तीय उत्पाद जबरन नहीं बेचे जा सकेंगे और उन्हें गुमराह करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। RBI ने 15 जून, 2026 को "रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (कमर्शियल बैंक) दूसरा संशोधन निर्देश-2026" जारी किया है। ये नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों पर लागू होंगे, जबकि स्माल फाइनेंस बैंक, पेमेंट बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और लोकल एरिया बैंकों के लिए अलग दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। नए प्रावधान 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होंगे। इसके लिए बैंकों को अपनी व्यवस्थाओं में आवश्यक बदलाव करने हेतु लगभग साढ़े छह माह का समय दिया गया है। नए नियमों के तहत बैंकों को अपनी वेबसाइट पर सभी

अधिकृत डायरेक्ट सेलिंग एजेंट और डायरेक्ट मार्केटिंग एजेंट की अद्यतन सूची सार्वजनिक करनी होगी। किसी भी बदलाव की स्थिति में सात दिनों के भीतर जानकारी अपडेट करना अनिवार्य होगा। साथ ही बैंक कर्मचारियों, एजेंटों और थर्ड पार्टी प्रतिनिधियों की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करनी होगी ताकि ग्राहक भ्रमित न हों। आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि एजेंट केवल सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही ग्राहकों से संपर्क कर सकेंगे। ग्राहक की पूर्व अनुमति के बिना वे घर या कार्यालय नहीं जा सकेंगे। किसी भी एजेंट या थर्ड पार्टी प्रतिनिधि को स्वयं को बैंक कर्मचारी बताने अथवा बैंक की ओर से किसी प्रकार का वादा करने की अनुमति नहीं होगी।

केंद्रीय बैंक के अनुसार कई मामलों में देखा गया है कि ग्राहक सामान्य जानकारी या बैंकिंग सेवा के लिए बैंक पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें विभिन्न बीमा योजनाएं, निवेश उत्पाद या अन्य स्कीम लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी कई बार ग्राहकों की स्पष्ट सहमति के बिना उत्पादों का प्रचार या चयन कर दिया जाता है। नए दिशा-निर्देश ऐसी शिकायतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि RBI के ये कदम ग्राहकों को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

मिस यूनिवर्स इंडिया सिक्किम 2026 के ग्रैंड फिनाले में प्रतिभागियों ने दिखाया टैलेंट

पेमा चोडेन बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया सिक्किम

बेधड़क | यांगांग (दक्षिण सिक्किम)

सौंदर्य, आत्मविश्वास, संस्कृति और महिला सशक्तीकरण का भव्य संगम बने मिस यूनिवर्स इंडिया सिक्किम 2026 के ग्रैंड फिनाले का आयोजन 14 जून को दक्षिण सिक्किम के रमणीय पर्यटन स्थल यांगांग में किया गया। आईएफएम अकादमी और वाईटीडीसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तथा भारत24: विजन ऑफ न्यू इंडिया द्वारा समर्थित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ने राज्य के फैशन, संस्कृति और ग्रामीण पर्यटन को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई। प्रतियोगिता की शुरुआत गंगटोक से हुई थी और इसका भव्य समापन यांगांग में हुआ। आयोजन का उद्देश्य राज्य की प्रतिभाशाली युवतियों को मंच प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय संभावनाओं को बढ़ावा देना था। राज्यभर से आई प्रतिभागियों के बीच हुए कड़े मुकाबले के बाद पेमा चोडेन भूटिया को मिस यूनिवर्स इंडिया सिक्किम 2026 का ताज पहनाया गया। योडेनला भूटिया प्रथम रनर-अप तथा बिंदिता बसनेट द्वितीय रनर-अप घोषित हुईं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिक्किम विधानसभा की उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक राज कुमारी थापा थीं। इस अवसर पर मंत्री भोजराज राय, विधायक सतीश चंद्र राय, विभिन्न सलाहकार, अध्यक्ष, मुख्यमंत्री के एपीएस, एडीसी रवंगला, एसडीएम यांगांग, बीडीओ यांगांग, जिला एवं पंचायत प्रतिनिधि, राज्य एवं जिला संस्कृति विभाग के प्रतिनिधि, वाईटीडीसी सदस्य, सीएलसी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का मूल्यांकन मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मणिका विश्वकर्मा, डायरेक्टर फ्रेंचाइज ऑपरेशंस अमजद खान, मिस यूनिवर्स इंडिया सिक्किम 2026 के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुवागत दास, रजत बिहानी तथा सिक्किम सरकार के संस्कृति विभाग के मुख्य अभियंता रिम्प दोर्जी लेप्चा ने किया। कार्यक्रम का निर्देशन प्रसिद्ध इमेज एवं फैशन कंसल्टेंट कुंतनिल दास ने किया। उनके साथ तारिक अहमद, हर्ष और सीमा ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, नितिन अग्रवाल और रॉबिन बसनेट ने मुख्य समन्वयक के रूप में संपूर्ण आयोजन का नेतृत्व किया। इस अवसर पर सुवागत दास, स्टेट डायरेक्टर एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, मिस यूनिवर्स इंडिया सिक्किम 2026 ने कहा कि यह केवल एक सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा महिलाओं को नेतृत्व, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के लिए सशक्त बनाने वाला मंच है। यांगांग में ग्रैंड फिनाले आयोजित कर हमने ग्रामीण सिक्किम की पर्यटन क्षमता को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया है।

पेमा चोडेन भूटिया, योडेनला भूटिया, बिंदिता बसनेट के साथ विजय, तारिक, कुंतनिल दास, नितिन, रॉबिन और हर्ष।

बिंदिता बसनेट, पेमा चोडेन भूटिया और योडेनला भूटिया।

कुंतनिल दास, सुवागत दास, मणिका विश्वकर्मा, अमजद खान और रजत बिहानी।

प्रतियोगिता के दौरान रैंप पर मॉडल्स।

मुख्य अतिथि राज कुमारी थापा का स्वागत करते कुंतनिल दास।

पेमा चोडेन भूटिया
योडेनला भूटिया
बिंदिता बसनेट

City इवेंट्स

प्रो. चंद्र बने वास्तुकला के विभागाध्यक्ष

बेधड़क. जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) के वरिष्ठ वास्तुविज्ञ प्रोफेसर तरुष चंद्र को वास्तुकला व नियोजन विभाग का दो वर्ष के लिए विभागाध्यक्ष मनोनीत किया गया। विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालते हुए प्रो. चंद्र ने छात्रों को आदर्श शैक्षणिक वातावरण देने के साथ ही रचनात्मक विकास को प्राथमिकता बताया। प्रो. चंद्र ने तीन दशक के शैक्षणिक व प्रशासनिक क्षेत्र में समन्वयक से लेकर विभागाध्यक्ष व अधिष्ठाता तक कई पदों पर कार्य किया है। शहरी योजना में पीएचडी सहित शहरी विकास, सतत निर्माण, सामग्री प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन, नीति-योजना व रणनीतियां बनाना उनके शोध और रुचि के विषय हैं।

प्रताप जयंती पर रक्तदान शिविर आज

बेधड़क. जयपुर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर जयपुरिया अस्पताल में बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मुख्य अतिथि होंगे। इसके लिए उन्होंने मंगलवार को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, रक्तदान शिविर का आयोजन बुधवार सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक जयपुरिया अस्पताल स्थित रक्त केंद्र में किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे शिविर में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अस्पताल प्रशासन ने सभी स्वस्थ नागरिकों से रक्तदान शिविर में पहुंचकर मानव सेवा के पुनीत कार्य में सहभागी बनने व जरूरतमंदों के जीवन बचाने में योगदान देने की अपील की है।

युवा रंगकर्मी शेखावत को फेलोशिप

बेधड़क. जयपुर। एफटीआई (असम) से अभिनय में प्रशिक्षित रंगकर्मी व संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के पूर्व छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता और बाल रंगमंच अभ्यासकर्ता कनक शेखावत को भारतीय सांस्कृतिक संबंध व प्रशिक्षण केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की जूनियर फेलोशिप मिली है। फेलोशिप के तहत वे दो वर्षों तक 'ग्रामीण राजस्थान के बच्चों में भावनात्मक साक्षरता व सांस्कृतिक अधिगम के माध्यम के रूप में थिएटर इन एजुकेशन' विषय पर शोध कार्य करेंगे। इससे पूर्व उन्होंने संस्कृति मंत्रालय की छात्रवृत्ति से बाल रंगमंच व थिएटर इन एजुकेशन से संबंधित अध्ययन किया था। कनक शेखावत ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुओं, माता-पिता, मित्रों व सभी शुभचिंतकों को दिया है, जिन्होंने उनका मार्गदर्शन और सहयोग किया। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय व सीसीआरटी का आभार जताया।

गलवान संघर्ष की वर्षगांठ पर शहीदों को नमन

सैनिक की सेवाकाल में मृत्यु पर आश्रित को नौकरी देने का राष्ट्रीय कानून बने

बेधड़क | जयपुर

गलवान संघर्ष की छठी वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को अमर जवान ज्योति पर वीर शहीदों को नमन करने के लिए एक विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर मोमबत्तियां जलाकर गलवान के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जय हिंद सैल्यूट तिरंगा संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल देव आनंद लोहमरोड़, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भूतपूर्व सैनिक विकास समिति रहे। कार्यक्रम में महिलाओं का प्रतिनिधित्व आईएएस अभ्यर्थी कनिका द्वारा किया गया। अपने संबोधन में कर्नल देव आनंद लोहमरोड़ ने गलवान संघर्ष का विस्तार से उल्लेख करते हुए बताया कि जून 2020 में 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल बी. संतोष बाबू के नेतृत्व में भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर किया।

गलवान घाटी में मातृभूमि की रक्षा करते हुए बलिदान देने वालों में कर्नल बी. संतोष बाबू, नायब सूबेदार नुदूराम सोरेन, नायब सूबेदार मंदीप सिंह, नायब सूबेदार सतनाम सिंह, हवलदार के. पलानी, हवलदार सुनील कुमार, हवलदार बिपुल रॉय, नायक दीपक कुमार, सिपाही राजेश ओरांग, सिपाही कुंदन कुमार ओझा, सिपाही गणेश राम, सिपाही चंद्रकांत प्रधान, सिपाही अंकुश, सिपाही गुरबिंदर सिंह, सिपाही गुरतेज सिंह, सिपाही चंदन कुमार, सिपाही अमन कुमार, सिपाही जय किशोर सिंह, लांस नायक भगवान सिंह तथा सिपाही गुरविंदर सिंह शामिल थे। कर्नल लोहमरोड़ ने इस अवसर पर भारतीय सेना में सेवाकाल के दौरान किसी भी कारणवश सैनिक की मृत्यु होने पर उसके आश्रित परिवार को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर समुचित कानूनी व्यवस्था बनाने की मांग की। अंत में जय हिंद सैल्यूट तिरंगा के राज कुलदीप ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं वीर शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि के साथ हुआ।

10,000 छात्रों को सुविधा मिलेगी

जेनरेटिव एआई कैंपस शुरू करेगा वीजीयू

बेधड़क | जयपुर

विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर ने गूगल क्लाउड के साथ मिलकर राज्य का जेनरेटिव एआई कैंपस लॉन्च करने की घोषणा की। पहल के तहत विश्वविद्यालय में एआई, क्लाउड टेक्नोलॉजी और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन को शिक्षा, शोध और नवाचार के केंद्र में रखा जाएगा। पहल से 10,000 से अधिक छात्रों को सुविधा मिलेगी, जिससे वे रिसर्च, कंटेंट क्रिएशन, कोडिंग, डेटा एनालिसिस और प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग में जेनरेटिव एआई टूल्स का उपयोग कर सकेंगे। एआई कैंपस के तहत इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, मैनेजमेंट, लॉ, डिजाइन, हेल्थ साइंसेज, लिबरल स्टडीज और मीडिया जैसे विभिन्न विषयों में एआई आधारित शिक्षा और शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। साझेदारी के तहत गूगल क्लाउड के सहयोग से इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड बी.टेक. प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। चार वर्षीय पाठ्यक्रम में छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई, मशीन लर्निंग और उभरती तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। वीजीयू के सीईओ ओंकार बगारिया ने कहा कि राजस्थान का पहला जेनरेटिव एआई कैंपस है। गूगल इंडिया में इंडिया हेड, Edtechs & Education वैभव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हम इस साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं।

कार्यक्रम 'राजस्थान फिल्म नीति अभिनंदन व सिनेमा महोत्सव' में बोले फिल्मकार-कलाकार

राजस्थानी सिनेमा इंडस्ट्री को मिले 'रॉयलवुड' पहचान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थानी सिनेमा के प्रोत्साहन के लिए नई नीति बनाने पर राजस्थान सरकार का आभार जताने के लिए होटल मेरियट में 'राजस्थान फिल्म नीति अभिनंदन महोत्सव' का आयोजन किया गया। सोनी सांवता एंटरटेनमेंट और सोनम टेलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने शहरी क्षेत्रों में राजस्थानी भाषा के गिरते स्तर पर चिंता जताते हुए कहा कि शहरों में राजस्थानी और हिंदी मिक्स हो गई हैं। असली शब्दावली अब सिर्फ गांवों तक सीमित रह गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने का संघर्ष 1982 से जारी है। नई शिक्षा नीति के तहत इसे स्कूलों में लागू कर भाषा को बचाने के गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हॉलीवुड अपनी फिल्मों में भव्यता दिखाकर खुद की ब्रांडिंग करता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में भारतीय फिल्मों के जरिए केवल गरीबी दिखाई जाती थी, जो एक साजिश का हिस्सा था। हालांकि, पिछले 12 सालों में इस धारणा में बदलाव आया है। अब सिनेमा के जरिए भारत की असली ताकत और आत्मविश्वास दुनिया के सामने आ रहा है। समारोह में श्रवण सागर ने कहा कि फिल्में सिर्फ अवार्ड पाने की नीयत से नहीं बननी चाहिए। नई फिल्म नीति हमें प्रेरित कर रही है। सरकार निर्माताओं के साथ खड़ी है और मुख्य फोकस राजस्थानी दर्शक वर्ग तैयार करने पर होना चाहिए। असली अवार्ड जनता की पसंद है। वहीं, सोनम गूजरी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि नई नीति में मिलने वाली छूट से फिल्मों के जरिए राजस्थान के पर्यटन और संस्कृति का देश-विदेश में और मजबूती से प्रचार हो सकेगा। आयोजक श्रवण सागर ने बताया कि समारोह में राजस्थानी सिनेमा में विशेष योगदान के लिए कलाकारों-फिल्मकारों का सम्मान किया गया। इनमें अभिनेत्री सोनम गूजरी, निर्देशक सुरेंद्र स्वामी सहित 11 लोग शामिल थे। इनको अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

केसी मालू, सोनम गूजरी, सनी सांवता, जोगेश्वर गर्ग, श्रवण सागर, सुरेश कुमार और मोना शर्मा।

सुरेंद्र स्वामी, केसी मालू, सुरेश कुमार और श्रवण सागर।

फिल्मकारों ने रखीं मांगें

राजस्थानी सिनेमा से जुड़े कलाकारों और फिल्मकारों ने भी मंच से अपनी बात रखी। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार महाराष्ट्र की तर्ज पर सिनेमाघरों में राजस्थानी फिल्मों के लिए वर्षभर में 56 शो अनिवार्य करने के निर्देश जारी करे। साथ ही फिल्म अनुदान की प्रत्येक छह माह में समीक्षा की जाए। राजस्थान फिल्म विकास बोर्ड का गठन हो। उन्होंने राजस्थानी सिनेमा को बॉलीवुड और हॉलीवुड की तर्ज पर 'रॉयलवुड' के नाम से एक अलग पहचान दिलाने की मांग की।

जेम सिटी 'मेट गाला' में फैशन और सामाजिक संदेश का अनूठा संगम

पत्तियां-फूल और भारतीय संस्कृति की थीम पर बिखेरा रचनात्मकता का जादू

■ अनोखे आउटफिट में रैंप वॉक से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेधड़क | जयपुर

जैन सोशल ग्रुप जेम सिटी की ओर से परिवार के सदस्यों के लिए टोंक रोड स्थित होटल अनंतारा ज्वेल बाग में 'जेम सिटी मेट गाला' का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय मेट गाला की अवधारणा से प्रेरित कार्यक्रम में सदस्यों ने कला, रचनात्मकता, फैशन और सामाजिक संदेशों का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। अध्यक्ष दिनेश गोदिका और सचिव गिरेंद्र टांक ने बताया कि 'मेट गाला' के रेड कारपेट पर हॉलीवुड और बॉलीवुड सितारों की तरह तीन ग्रुप - रॉयल इंडिया, क्रिस्टलाइन एलीगेंस और वियरेबल आर्ट ने फैशन के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। 'कॉस्ट्यूम आर्ट' थीम पर आधारित कार्यक्रम में सदस्य अनोखे और आकर्षक आउटफिट में नजर आए। शो के अंत में संस्थापक अध्यक्ष देवेंद्र अजमेरा, पूर्व अध्यक्ष संजय काला, कमेटी मेंबर शोभित काला, विकास जैन, संदीप जैन तथा ग्रुप सदस्य सचिन सौगानी और ज्योति अजमेरा ने रैंप वॉक कर दमदार उपस्थिति दर्ज करवाई।

अर्चना सुराणा, अजय काला, सचिन सोगानी, शोभित काला, संजय काला, देवेंद्र अजमेरा, ज्योति अजमेरा, संदीप जैन और विकास जैन।

फोटो: सुनील शर्मा

मीतू जैन।

निशी शाह।

'जयपुर-द पिंक सिटी' थीम को किया जीवंत

संस्थापक अध्यक्ष देवेंद्र अजमेरा और पूर्व अध्यक्ष संजय काला ने बताया कि गाला की थीम पर तीनों प्रस्तुतियां नई और रचनात्मकता पर आधारित रहीं। इनमें समाज को संदेश देने का भी विशेष ध्यान रखा गया। सरिता काला ने हैंडक्राफ्टेड जयपुरी बंधेज ड्रेस के साथ हवा महल अंकित केप पहनकर 'जयपुर-द पिंक सिटी' थीम को जीवंत किया। मीतू जैन ने 'सेव नेचर' थीम के माध्यम से जंगल, पेड़, फूल-पत्ती और वर्षा संरक्षण का संदेश दिया। मीनाक्षी बाकलीवाल ने जैन धर्म का संदेश प्रस्तुत किया। मीनल बाकलीवाल ने क्लाउड, निशी शाह ने 'मेरा भारत महान', प्रियंका जैन ने भारतीय लोक प्रिंट और हंशिका पाटनी ने शांति संदेश को अपनी प्रस्तुति का विषय बनाया। पुरुष सदस्यों में राजीव बाकलीवाल ने टेक्नोलॉजी, अभिषेक जैन ने रॉयल एलीगेंस और संजय शाह ने लखनवी अंदाज प्रस्तुत किया। इसके अलावा अन्य महिला और पुरुष सदस्यों ने भी इंडो-वेस्टर्न परिधानों का जलवा बिखेरा। पूर्व अध्यक्ष संदीप कटारिया और रवि जैन ने इसे व्यक्तित्व, सृजनात्मक सोच और कलात्मक प्रस्तुति का उत्सव बताया। संयोजक शोभित काला, सचिन सौगानी, संदीप जैन और विकास जैन ने बताया कि कार्यक्रम स्थल को थीम के आधार पर सजाया गया था। वहीं, बीच-बीच में फैशन शो के दौरान डांस ट्रूप और म्यूजिक बैंड की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शो का संचालन एंकर पल ओबेराय ने किया तथा कोरियोग्राफी डेविड ने की।

हैप्पी बर्थ डे

राजेंद्र छाबड़ा को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई देते मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास।

चित्रलेखा छाबड़ा व राजेंद्र छाबड़ा को बधाई देते पवन अरोड़ा।

जयपुर। फर्स्ट इंडिया परिवार के वरिष्ठ सदस्य और पत्रकार राजेंद्र छाबड़ा ने मंगलवार को अपना 80वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्हें सहकर्मियों, मित्रों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां दीं। इस अवसर पर फर्स्ट इंडिया मीडिया ग्रुप के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने राजेंद्र छाबड़ा के निवास पर पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन और दीर्घायु की कामना की। अरोड़ा ने छाबड़ा और उनकी पत्नी चित्रलेखा छाबड़ा को भी हाल ही में वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी। उन्होंने दंपती के अटूट रिश्ते तथा समाज व परिवार के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। इसके बाद राजेंद्र छाबड़ा ने राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान मुख्य सचिव ने वरिष्ठ पत्रकार का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। श्रीनिवास ने पत्रकारिता के क्षेत्र में छाबड़ा के उल्लेखनीय योगदान तथा जनसरोकारों और सुशासन से जुड़े विषयों में उनकी दीर्घकालिक सक्रियता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राजेंद्र छाबड़ा ने कई दशकों तक राजस्थान के सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक परिदृश्य का सशक्त दस्तावेजीकरण किया है।

City इवेंट्स

जस्टिस भंडारी ने की थ्रोबैक कैफे विजिट

बेधड़क. जयपुर। चार दशकों के मीडिया कॅरिअर के बाद वरिष्ठ पत्रकार संजीव श्रीवास्तव ने जयपुर के बापू नगर में थ्रोबैक देसी कैफे की शुरुआत कर नई यात्रा का शुभारंभ किया। मंगल मार्ग पर स्थित यह कैफे पारंपरिक राजस्थानी कचौरी घर की यादों के कारण तेजी से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनीष भंडारी ने मंगलवार को यहां विजिट की, जहां उनका स्वागत श्रीवास्तव ने किया। दौरे के दौरान उन्होंने स्टाफ से बातचीत की और कैफे के विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया, जिनमें मटर कचौरी, प्याज कचौरी और दाल कचौरी शामिल थीं। पहल के पीछे की सोच साझा करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि कैफे का उद्देश्य भारत की पारंपरिक खाद्य संस्कृति की आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव को पुनर्जीवित करना है। उन्होंने इसे अपने व्यक्तिगत मूल्यों का विस्तार बताते हुए कहा कि यहां कालातीत भारतीय स्वादों को आधुनिक और स्वागतपूर्ण वातावरण में प्रस्तुत किया जा रहा है। पहल की सराहना करते हुए जस्टिस भंडारी ने श्रीवास्तव को बधाई दी और कहा कि उन्होंने ऐसा स्थान विकसित किया है, जो भारत की पाक विरासत का उत्सव मनाने के साथ आधुनिक शहरी रुचियों को भी ध्यान में रखता है।

स्वास्थ्य और वेलनेस पर पैनल चर्चा

बेधड़क. जयपुर। सेंटवेव ऑर्गेनाइजेशन ने नारायणा हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम व फादर्स डे समारोह का आयोजन किया। स्वास्थ्य और वेलनेस विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें डॉ. देवेंद्र श्रीमाली, डॉ. राहुल जैन, डॉ. वैभव माथुर और डॉ. चेतन शर्मा ने भाग लिया। चर्चा का संचालन फर्स्ट इंडिया की प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव वर्तिका जैन ने किया। सेंटवेव ऑर्गेनाइजेशन की फाउंडर डायरेक्टर शिवाली गुप्ता ने संगठन की डॉक्यूमेंट्री और आधिकारिक वेबसाइट के लॉन्च की घोषणा की, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएएस नवीन जैन तथा विशिष्ट अतिथि आईएफएस शैलजा देवल ने किया। कार्यक्रम में शिक्षाविद्, कवि व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. एचजे मंगलानी की पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कलाकार प्रभात गोस्वामी ने चुटीली टिप्पणियों से श्रोताओं का मनोरंजन किया, जबकि गायक समीर सेन और संकल्प कुलश्रेष्ठ ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में संगीत का रंग घोला। कार्यक्रम का संचालन सीमा वालिया ने किया।

डीवीपीआईएंस एलुमनाई मीट-2026

ताजा की स्कूल की सुनहरी यादें पेशेवर उपलब्धियां की साझा

बेधड़क | जयपुर

पुरानी यादों, दोस्ती और भावनात्मक पुनर्मिलन से भरी यादगार शाम का आयोजन लखनऊ के एवियन रिजॉर्ट में हुआ, जहां देवस्थली विद्यापीठ के पूर्व छात्र डीवीपीआईएंस एलुमनाई मीट-2026 में एकत्रित हुए। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए पूर्व छात्र शामिल हुए। इस दौरान संवादात्मक चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनमें पूर्व छात्रों ने अपने स्कूल जीवन की यादगार घटनाएं साझा कीं। प्रतिभागियों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन, कक्षा के अनुभवों, छात्रावास जीवन और दोस्तों के साथ बिताए पलों को याद किया। कई भावुक क्षण देखने को मिले, जब सहपाठी वर्षों बाद एक-दूसरे से मिले। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक गतिविधियों और रोचक समूह संवादों ने पुनर्मिलन को और भी जीवंत बना दिया।

पूर्व छात्रों ने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन की यात्राओं, उपलब्धियों, चुनौतियों और विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों पर भी विचार साझा किए। कई विशिष्ट पूर्व छात्रों ने कहानियां सुनाईं। आयोजन समिति ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल पुनर्मिलन नहीं, बल्कि पूर्व छात्रों के बीच नेटवर्किंग, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने का मंच है। कार्यक्रम का समापन आयोजन समिति तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। पूर्व छात्रों ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता बताई।

'जॉइंट्स का जुगाड़' पर ऑनलाइन मंथन

ऑफिस वर्क करने वालों को ब्रेक में चलना-फिरना चाहिए

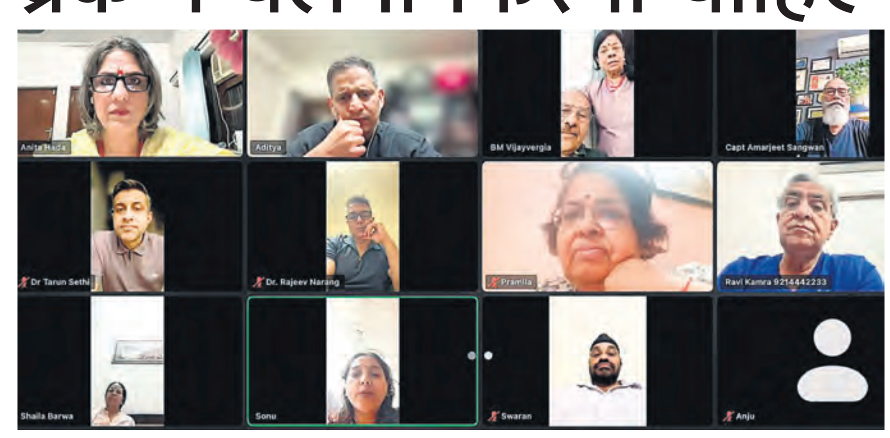

बेधड़क | जयपुर

रोटरी क्लब जयपुर ऑर्गन डोनेशन ने 'जॉइंट्स का जुगाड़ : बोन्स को कैसे रखें फिट' विषय पर ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया, जिसमें डॉ. आदित्य सोरल, निदेशक स्पोर्ट्स मेडिसिन, इटरनल हॉस्पिटल व प्रमुख आर्थ्रोस्कोपी और स्पोर्ट्स इंजरी विशेषज्ञ, मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

सत्र में क्लब के सदस्यों व आमजन ने भाग लिया और स्वस्थ हड्डियों व जोड़ों को फिट बनाए रखने पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने युवाओं में बढ़ते घुटनों और पीठ दर्द, निष्क्रिय जीवनशैली के प्रभाव, व्यायाम की भूमिका, कैल्शियम व विटामिन डी के महत्व, गठिया के शुरुआती लक्षणों तथा 40 वर्ष की आयु के बाद महिलाओं में हड्डियों के स्वास्थ्य से जुड़े प्रश्न पूछे। डॉ. सोरल ने बताया कि खराब मुद्रा, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा और लंबे समय तक बैठे रहना जोड़ों की समस्याओं के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने जोड़ों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, संतुलित पोषण और स्वस्थ वजन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कार्यालयों में कार्य करने वाले लोगों को नियमित अंतराल पर चलने-फिरने तथा सही तरीके से बैठने की आदत अपनाने की भी सलाह दी। प्रतिभागियों ने प्रश्नोत्तर सत्र की सराहना की और सुझावों को व्यावहारिक तथा आसानी से अपनाए जाने योग्य बताया। कार्यक्रम का समापन डॉ. सोरल को जानकारी साझा करने तथा जोड़ों की फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने में योगदान देने के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एजुकेशन समिट | सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय में बोले राज्यपाल

शिक्षा से ही दी जा सकती है विकास को सही मायने में गति

बेधड़क | जयपुर

शिक्षा ही ज्ञान का बड़ा आधार है। इसके जरिए भारत को विश्वभर में श्रेष्ठ बनाने के प्रयास होने चाहिए। भारत के टेलेंट की दुनियाभर में मांग है। यह विचार राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रखे। वे मंगलवार को सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित 'एजुकेशन समिट' में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा से विकास को सही मायने में गति दी जा सकती है। संवाद से सुसंवाद होता है। हमारे यहां जो आविष्कार हुए, उनका श्रेय पश्चिम ने ले लिया। उन्होंने कहा कि भारत में सबसे पहला विमान मुंबई के संस्कृत विद्वान शिवकर बापूजी तलपड़े ने उड़ाया, लेकिन श्रेय राइट बंधुओं को मिला। इसी तरह गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत भास्कराचार्य ने दिया था, जबकि दुनिया में न्यूटन प्रसिद्ध हुए। उन्होंने भारत के प्राचीन ज्ञान का नई पीढ़ी में प्रसार किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि विश्व में जब कहीं विश्वविद्यालय नहीं था, तब भारत में 19 विश्वविद्यालय थे। ईस्वी सन 725 में रावल पिंडी में तक्षशिला विश्वविद्यालय विश्व का श्रेष्ठ शिक्षा केंद्र रहा। बप्पा रावल की महानता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अरबों को भारत से खदेड़ा। उनके नाम से ही बाद में पाकिस्तान का रावल पिंडी स्थान हुआ। उन्होंने कहा कि गुरुकुल पद्धति भारत की श्रेष्ठ शिक्षा पद्धति रही है। गुरुकुल में किसी एक विषय का नहीं, सभी विषयों का ज्ञान दिया जाता था। राज्यपाल ने प्राचीन ज्ञान परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि विश्व को शून्य का ज्ञान भारत ने दिया। उन्होंने इससे पहले राज्यपाल ने वहां शैक्षिक उन्नयन और कौशल शिक्षा से जुड़े विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/003/2026-28

न्यूज बेधड़क

FIRST INDIA

सच बेधड़क
जयपुर, बुधवार, 17 जून, 2026

“बुद्धिमत्ता प्रश्न पूछती है, विवेक तय करता है कौन-से महत्वपूर्ण हैं।
डॉ. जगदीश चंद्र, सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

दोनों राजनीतिक संगठनों की कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने के रणनीति में बड़ा अंतर

BJP ‘निरंतर अभियान’ पर तो कांग्रेस कर रही ‘मुद्दा आधारित’ आंदोलन पर फोकस

■ मदन राठौड़ की संगठनात्मक सक्रियता, डोटासरा तीखे प्रहार के लिए चर्चित

सच बेधड़क एक्सक्लूसिव

पंकज सोनी | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस की संगठनात्मक रणनीति में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। सत्ता में होने के बावजूद भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को लगभग हर दिन किसी न किसी अभियान, प्रशिक्षण, जनसंपर्क कार्यक्रम या आंदोलन में सक्रिय रखती है। इसके विपरीत प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का फोकस मुख्य रूप से मुद्दा आधारित आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों पर रहता है, जिसके कारण उसके कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक व्यस्तता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। प्रदेशाध्यक्षों की सक्रियता में भी यही अंतर नजर आता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ औसतन महीने में करीब 18-20 बयान या प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं, जबकि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से औसतन 10-12 बयान और प्रेस वार्ताएं होती हैं। हालांकि डोटासरा सरकार को घेरने में लगातार आक्रामक रहते हैं। हाल के महीनों की गतिविधियों पर नजर डालें तो यह पैटर्न लगातार देखने को मिला है। मई माह इसका एक उदाहरण रहा, जब भाजपा के पास लगभग हर दिन कोई न कोई संगठनात्मक कार्यक्रम था, जबकि कांग्रेस के कार्यक्रम अपेक्षाकृत सीमित लेकिन मुद्दा आधारित रहे।

भाजपा कार्यकर्ता हर दिन व्यस्त

मई माह की गतिविधियों पर नजर डालें तो भाजपा के प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व की ओर से कार्यकर्ताओं के लिए लगभग पूरे महीने कार्यक्रम निर्धारित रहे। ग्राम रथ अभियान, दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान, वंदे जल संरक्षण कार्यक्रम, चुनावी जीत का जश्न, मन की बात कार्यक्रम और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर प्रदर्शन जैसे आयोजन लगातार चलते रहे। कई बार एक ही दिन में एक से अधिक गतिविधियां भी आयोजित हुईं।

कांग्रेस के महीने में गिने-चुने अभियान

दूसरी ओर कांग्रेस ने भी संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ अभियान, नीट परीक्षा को लेकर प्रदर्शन तथा महंगाई, पेट्रोल और डीजल से जुड़े मुद्दों पर प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाए। हालांकि कार्यक्रमों की संख्या भाजपा की तुलना में कम रही, लेकिन कांग्रेस का जोर सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने और जनसमस्याओं को उठाने पर अधिक दिखाई दिया।

प्रदेशाध्यक्षों के अलग अंदाज

प्रदेशाध्यक्षों की सक्रियता में भी दोनों दलों की अलग शैली देखने को मिलती है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस, बयान और संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराते हैं। मई माह में उनके करीब 18 आधिकारिक बयान और प्रेस वार्ताएं सामने आईं। इसके अलावा वे प्रवास और बैठकों के दौरान भी मीडिया से संवाद करते रहे। वहीं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार राजनीतिक हमले किए। मई में उनके लगभग 10 आधिकारिक बयान और प्रेस वार्ताएं जारी हुईं। डोटासरा की राजनीति का केंद्र मुख्य रूप से सरकार की नीतियों और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल उठाना रहा।

सक्रियता में भाजपा आगे, कांग्रेस हमलावर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दोनों दलों की भूमिका और प्राथमिकताएं अलग होने के कारण उनकी सक्रियता का स्वरूप भी अलग है। भाजपा संगठन विस्तार, प्रशिक्षण और जनसंपर्क आधारित कार्यक्रमों के जरिए कार्यकर्ताओं को लगातार सक्रिय रखने की रणनीति पर काम कर रही है। वहीं कांग्रेस सीमित संसाधनों और विपक्ष की भूमिका के अनुरूप चुनिंदा मुद्दों पर आंदोलन खड़ा करने पर जोर दे रही है। कुल मिलाकर, भाजपा और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं, लेकिन भाजपा की सक्रियता अधिक व्यापक और निरंतर दिखाई देती है, जबकि कांग्रेस की सक्रियता मुद्दा आधारित और अवसर विशेष पर केंद्रित नजर आती है।

बयानबाजी में सक्रियता

प्रदेशाध्यक्ष	औसत बयान	प्रमुख फोकस
मदन राठौड़	18-20 (प्रति माह)	संगठनात्मक गतिविधियां व जनसंपर्क
गोविंद सिंह डोटासरा	10-12 (प्रति माह)	सरकार पर हमले व जनहित के मुद्दे

बेधड़क FIRST

जब अपने ही दगा दे जाएं तो!

भाजपा के एक युवा नेता को अपनी ही बातों के कारण संगठनात्मक स्तर पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अजमेर से जुड़े इस युवा नेता ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान कुछ ऐसे शब्द कह दिए जो बाद में उनके लिए परेशानी का कारण बन गए। बताया जाता है कि उस बातचीत को एक व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी तक पहुंचा दिया। मामला सामने आने के बाद संगठन नेतृत्व नाराज हो गया और युवा नेता को पार्टी में मिले एक महत्वपूर्ण दायित्व से हटा दिया गया। हालांकि नेता ने अपनी बात शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने का प्रयास किया और बाद में उन्हें सौंपे गए प्रभार क्षेत्र में सक्रिय भूमिका भी निभाई। सूत्रों के अनुसार हाल ही में एक राज्य के चुनाव में भी उन्होंने संगठन के लिए सफल भूमिका निभाई, लेकिन उनकी बेबाक और अधिक बोलने की आदत अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

कोचिंग-रेस्टोरेंटों पर कार्रवाई, लेकिन होटलों को अभयदान

राजधानी जयपुर में बिना फायर एनओसी संचालित होटलों को लेकर नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। निगम ने हाल के दिनों में कोचिंग संस्थानों और रेस्टोरेंटों पर कार्रवाई की, लेकिन बड़ी संख्या में बिना फायर एनओसी चल रहे होटलों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जानकारों का कहना है कि शहर में सैकड़ों होटल आवश्यक अग्नि सुरक्षा स्वीकृति के बिना संचालित हो रहे हैं। ऐसे में उपायुक्त फायर और मुख्य अग्निशमन अधिकारी की चुप्पी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। दिल्ली में हुए बड़े अग्निकांड के बाद भी यदि कार्रवाई नहीं होती है तो सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। अब निगाहें नगर निगम आयुक्त और उच्च अधिकारियों पर हैं कि वे इस मामले में संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हैं या नहीं।

जब ‘आंसर की’ ही हो गई लीक

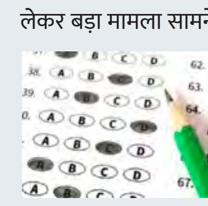

एक प्रतिष्ठित NAAC ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय में परीक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। एमए समाजशास्त्र की परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र की जगह छात्रों को कथित रूप से आंसर-की वितरित कर दी गई। गलती सामने आते ही विश्वविद्यालय प्रशासन को परीक्षा स्थगित करनी पड़ी। घटना के बाद परीक्षा प्रबंधन और गोपनीयता व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। विश्वविद्यालय का परीक्षा तंत्र भले ही मजबूत होने का दावा करता हो, लेकिन इस घटना ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है।

आसमान फुल, एयरपोर्ट हाउसफुल

देश में हवाई यात्रा का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 15 जून को देशभर के एयरपोर्ट्स पर यात्री संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया। एक ही दिन में 11.25 लाख से अधिक यात्रियों ने हवाई सफर किया जबकि 7,305 विमान मूवमेंट दर्ज किए गए।घरेलू उड़ानों में सबसे अधिक भीड़ रही, जहां करीब 9.17 लाख यात्रियों ने यात्रा की। वहीं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भी दो लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई। बढ़ती मांग के कारण प्रमुख एयरपोर्ट्स पर दिनभर काफी चहल-पहल रही। विशेषज्ञों के अनुसार पर्यटन व्यापारिक गतिविधियों और छुट्टियों के मौसम के चलते हवाई यात्रा में तेजी आई है। देशभर में 7 हजार से अधिक उड़ानों के संचालन के साथ एयर ट्रैफिक नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है।

परिवहन आयुक्त के पास ट्रेड लाइसेंस जारी करने का अधिकार

परिवहन विभाग में ट्रेड लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। जानकारी के अनुसार नियमों के तहत ट्रेड लाइसेंस जारी करने का अधिकार परिवहन आयुक्त के पास है और संबंधित फाइलें अंतिम स्वीकृति के लिए आयुक्त कार्यालय भेजी जाती हैं। हालांकि विभागीय सूत्रों के अनुसार संयुक्त परिवहन आयुक्त (जेटीसी) स्तर पर कई ट्रेड लाइसेंस जारी किए जाने का मामला चर्चा में है। आरोप है कि कुछ मामलों में फाइलें आयुक्त के पास भेजे बिना ही निर्णय लिए गए। इस संबंध में पूछे जाने पर जेटीसी जगदीश बैरवा ने कहा कि यह व्यवस्था पहले से चली आ रही है। वहीं मामले को लेकर विभागीय हलकों में बहस जारी है कि यदि निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है तो इसकी जांच होगी या नहीं।

207.63 वर्ग किमी में रेयर अर्थ एक्सप्लोरेशन को हरी झंडी

CM के अहम निर्णय... खनन, न्याय और सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

■ NIA मामलों के लिए विशेष न्यायालय और 8 नए जिलों में बनेगा नागरिक सुरक्षा कोर

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के विकास, सुशासन और नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इनमें रेयर अर्थ एलिमेंट्स के एक्सप्लोरेशन को मंजूरी, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय की स्थापना तथा आठ नए जिलों में नागरिक सुरक्षा कोर के गठन जैसे अहम फैसले शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी निर्णयों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

खनन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने बाड़मेर (वर्तमान बालोतरा) जिले की पचपदरा और शेरगढ़ क्षेत्र के ग्राम नवातला एवं देवीगढ़ में 207.63 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रेयर अर्थ एलिमेंट्स खनिज के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस को मंजूरी दी है। ब्लॉक की नीलामी में सफल रही मैसर्स सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट को एक्सप्लोरेशन लाइसेंस प्रदान किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे खनन क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने राज्य में एनआईए से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय की स्थापना को भी स्वीकृति दी है। इससे आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में मदद मिलेगी तथा न्यायिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

इसके अलावा, बजट वर्ष 2025-26 की घोषणाओं के तहत बालोतरा, डीडवाना-कुचामन, फलौदी, सलूम्बर, खैरथल-तिजारा, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ और ब्यावर में नागरिक सुरक्षा कोर के गठन को मंजूरी दी गई है। यह कोर आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर राहत एवं बचाव कार्यों को मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत योजनाओं और निर्णयों का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को इनका लाभ शीघ्र मिल सके।

आरएसएमएम की 76वीं वार्षिक साधारण सभा में सीएस ने दिए निर्देश

खनन क्षेत्र में नवाचार और जीरो लॉस मॉडल अपनाए RSMM

बेधड़क | जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने आरएसएमएम को खनन क्षेत्र में देश-दुनिया की नवीनतम तकनीकों को अपनाते हुए जीरो लॉस माइनिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आक्रामक विपणन रणनीति अपनाकर निगम के कारोबार और लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए समग्र प्रयास किए जाएं। सचिवालय में आयोजित आरएसएमएम की 76वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निगम राज्य सरकार का प्रमुख उपक्रम है, जो रॉक फॉस्फेट के खनन एवं विपणन के माध्यम से कृषि क्षेत्र को महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है। उन्होंने रॉक फॉस्फेट, लाइमस्टोन, लिग्नाइट और जिप्सम के उत्पादन एवं खनन को बढ़ाने के लिए वार्षिक कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। साथ ही पोटाश के एक्सप्लोरेशन की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव, खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा ने आरएसएमएम की मॉनिटरिंग व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सचिवालय में आरएसएमएम की 76वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते किया। इस दौरान आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक पी. रमेश और एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा मौजूद रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर का किया औचक निरीक्षण

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को जयपुर जिले की बस्सी पंचायत समिति की मानगढ़ खोखावाला ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का मौके पर ही विधिक एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग सहित अभियान में शामिल 21 विभागों के काउंटरों का अवलोकन किया। जिला प्रशासन ने उन्हें शिविर में प्राप्त शिकायतों और उनके निस्तारण की जानकारी दी।

लोकसभा अध्यक्ष ने 25 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

महाराणा प्रताप स्वाभिमान और त्याग के प्रतीक: बिरला

बेधड़क | गोगुंदा, उदयपुर

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को उनकी ऐतिहासिक राजतिलक स्थली गोगुंदा में भव्य समारोह एवं जनसभा का आयोजन किया गया। समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 25 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया तथा महाराणा प्रताप के आदर्शों को देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में सांसद मन्नालाल रावत, सांसद सीपी जोशी, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान सभी अतिथियों ने महाराणा प्रताप राजतिलक स्थली स्थित महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की तथा महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मंच पर अतिथियों का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के स्वाभिमान, साहस और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान का ऐसा आदर्श है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि गोगुंदा में हुआ महाराणा प्रताप का राजतिलक सत्ता और वैभव के लिए नहीं, बल्कि प्रजा की सेवा, मेवाड़ की स्वतंत्रता तथा जनमानस के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए था।

शिरोमणि महाराणा प्रताप की जय जयकार करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सांसद सीपी जोशी सहित अन्य।

वीरों को किया नमन

ओम बिरला ने महाराणा प्रताप के साथ-साथ राणा पूंजा भील, दानवीर भामाशाह और चेतक के योगदान को भी स्मरण करते हुए आदिवासी समाज एवं युद्धभूमि में साथ देने वाले सभी वीरों को नमन किया। उन्होंने युवाओं और मातृशक्ति से आह्वान किया कि वे महाराणा कुंभा, महाराणा सांगा, महाराणा प्रताप और महारानी पद्मिनी जैसी महान विभूतियों से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

वयोश्री योजना के लाभार्थियों से किया संवाद

कार्यक्रम के दौरान लोकसभा अध्यक्ष को महाराणा प्रताप की प्रतिमा एवं तीर-कमान भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित नौ दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही भारत सरकार की वयोश्री योजना के लाभार्थियों से संवाद किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्थानीय उत्पाद जामुन पल्प का स्वाद भी चखा। समारोह में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत राजतिलक स्थली पर पौधारोपण भी किया गया।

पेज 1 से जारी...

राजस्थान पुलिस के ‘फील्ड मार्शल’...

डीजीपी शर्मा के एक वर्ष के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह मानी जा रही है कि उन्होंने डीजीपी संस्था की गरिमा, प्रतिष्ठा और प्रभाव को पुनः स्थापित किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उन पर पूर्ण विश्वास है और यही कारण है कि पुलिस विभाग में विभिन्न स्तरों पर होने वाले स्थानांतरण एवं पदस्थापन मामलों में उन्हें व्यापक स्वतंत्रता प्राप्त है, हालांकि अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री की स्वीकृति के बाद ही होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव अखिल अरोड़ा की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। डीजीपी शर्मा और मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के बीच उत्कृष्ट समन्वय ने पुलिस प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाया है। उनके कार्यकाल में विशेष रूप से थाना प्रभारियों (एसएचओ), उप अधीक्षकों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों की नियुक्तियों में राजनीतिक हस्तक्षेप काफी हद तक कम हुआ है। मुख्यमंत्री स्वयं भी मेरिट और पारदर्शिता आधारित नियुक्तियों के पक्षधर हैं।

कम बोलने और परिणाम देने में विश्वास रखने वाले डीजीपी राजीव शर्मा को एक शांत लेकिन प्रभावी प्रशासक के रूप में देखा जाता है। उनकी कार्यशैली का केंद्र बिंदु प्रदर्शन और परिणाम रहा है।

इसी परिप्रेक्ष्य में जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल भी डीजीपी राजीव शर्मा की सक्रिय, फील्ड-उन्मुख और जन-केंद्रित पुलिसिंग की सोच को राजधानी में प्रभावी ढंग से लागू करने वाले प्रमुख अधिकारियों में उभरकर सामने आए हैं। उन्होंने जयपुर में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में डीजीपी की दृष्टि को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित। **प्रधान संपादक:** डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल: sachbedhadakdaily@gmail.com**, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।